डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 35 | पृष्ठ 8 | मन्दसौर | रविवार 12 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

शिवराज का फीनिक्स अवतार और सोने की भस्म...

मामला फिल्मी संवाद जैसा है। लेकिन है एक जैसा, इसलिए बात की शुरूआत इसी तरह से की जा सकती है। 2018 का विधानसभा चुनाव याद कीजिए। राज्य में सरकार बनाने की भाजपा की कोशिशें धुंआ-धुंआ हो गई थीं। धुंआ भी इतना गाढ़ा और तीखा कि कई भाजपा नेताओं की आंख से आंसू निकलने जैसी स्थिति बन गयी और कई की सियासी महत्वकांक्षाएं इसी धुंए में दम घुटने की शिकार हो गई। लेकिन, शिवराज सिंह चौहान ने बहुत निर्लिप्त अंदाज में इस सबको स्वीकार किया। फिर बाद में एक फिल्मी संवाद दोहराया, 'टाइगर अभी जिंदा है।' फिर हुआ ऐसा कि पंद्रह महीने में ही टाइगर एक बार फिर अपनी पूरी ताकत के साथ सत्ता में लौट आया।

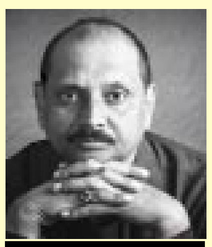
प्रकाश भटनागर

चौथी पारी शिवराज के लिए निरापद नहीं रही। पहले तो लोगों ने इस मन्त्र का रट्टा लगाया कि भाजपा अपनी चौथी पारी के लिए शिवराज पर यकीन नहीं करेगी। चौहान के लिए विघ्नसंतोषियों की स्थिति यह रही गोया कि वे अपने इस कथन के सही होने के लिए नियमित रूप से प्रार्थनाएं भी पढ़ने लगे हों। फिर भी जब शिवराज ने चौथी बार मुख्यमंत्री का पद संभाला तो नाकाम प्रार्थना वाले स्वर जैसे बद्दुआओं में बदल गए। हालत यह रही कि 23 मार्च, 2020 के बाद से शायद ही कोई पखवाड़ा ऐसा बीता हो, जिसमें यह न कहा गया हो कि प्रदेश में मुख्यमंत्री बदल दिया जाएगा। लेकिन, ऐसे कयास चीटी की चाल से अधिक तेज नहीं चल सके। दूसरी तरफ शिवराज चीते की गति से आगे बढ़ते चले गए।

अब जब राज्य का विधानसभा चुनाव सिर पर है, तब एक बार फिर शिवराज के भविष्य को लेकर अटकलों का दौर चरम पर है। इस बार मामला सच के काफी नजदीक भी दिखा। एक-दो नहीं, अनेक अवसर पर यह साफ नजर आया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चौहान को पहले जैसी तवज्जो देने से बच रहा है। जिस समय मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की अघोषित फेहरिस्त को नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रह्लाद सिंह पटेल जैसे नामों की एंट्री से भारी-भरकम रूप प्रदान कर दिया गया, तब यह साफ दिखने लगा कि चौहान की स्थिति कुछ हल्की हो रही है। फिर यह भी हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर अमित शाह और जेपी नड्डा ने चुनाव अभियान की कमान सीधे अपने हाथ में ले ली और शिवराज के हाथ में स्टार प्रचारक मात्र के रूप में एक माइक ही थमा नजर आने लगा।

तो यहीं से दूसरे फिल्मी संवाद वाली बात का सूत्रपात होता है। अमंगलकामनाओं की धुंध से घिरे शिवराज ने बीते महीने खुद की तुलना उस फीनिक्स पक्षी से की, जिसके लिए कहा जाता है कि वह अपनी ही राख से एक बार फिर जीवन पा लेता है। यानी वह अजर-अमर है। मजे की बात यह कि यदि टाइगर को फिर से सही अर्थ में जीवित होना दिखाने के लिए पंद्रह महीने का समय लग गया था, तो फीनिक्स पक्षी ने एक पखवाड़े से भी कम की अवधि में अपने फिर से जीवित हो उठने वाले पूरे हालात स्थापित कर दिए हैं। रतलाम की अपनी हालिया सभा में सुर बदलते हुए मोदी ने जिस तरह शिवराज की खुलकर तारीफ की और उसके लिए लाड़ली बहना योजना का खास तौर से उल्लेख किया, उससे यह स्पष्ट है कि भाजपा राज्य में इस योजना को ही अपनी सफलता का मुख्य सूत्र मान चुकी है, जो शिवराज की ही देन है। वर्ष 2006 में लाड़ली लक्ष्मी की शुरूआत के बाद से मौजूदा चुनावी साल में लाड़ली बहना तक का एक्सटेंशन एंटी इंकम्बेंसी जैसे आसन्न संकट के बाद भी भाजपा का टेंशन कम करने का बड़ा जरिया बन गया दिख रहा है। फिर ऐसा होना बहुत स्वाभाविक भी है। और ऐसा होने को यह स्वाभाविकता खुद शिवराज ने ही प्रदान की है। बात सिर्फ... **शेष पेज 6 पर**

नेता बने अभिनेता

रिल्स में फिक्स सारे सीन और चेहरे के एक्सप्रेशन

इमोशनल गानों व फोटो के जरिए नायक बन रहे उम्मीदवार

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। एक समय था, जब चुनाव प्रचार जनसंपर्क, बैनर-पोस्टर से चल जाता था। लेकिन, अब स्थिति काफी बदल गई है। अब जनसंपर्क के साथ ही सोशल मीडिया के जरिए लोगों के बीच नायक बनने का प्रयास नेताजी कर रहे हैं। राजनीतिक दलों के अधिकांश नेताओं ने छवि चमकाने का काम एजेंसियों या सोशल मीडिया के जानकार युवाओं को सौंप रखा है। यह युवा या एजेंसी इमोशनल गानों की रील्स के साथ ही पोस्टर आदि बनाकर मतदाताओं के बीच वायरल कर रहे हैं। नेताजी के समर्थक इन्हें शेयर कर रहे हैं। नेताजी का उदारवादी चेहरा दिखाना उनकी प्राथमिकता में है। प्रचार के दौरान नेताजी द्वारा बुजुर्गों का पैर पडना, बच्चों को दुलारना आदि पहले से ही तय रहता है। नेताजी के साथ चल रहा वीडियोग्राफर तुरंत इस पल को क्लिक करता है और उसमें गाने समेत कई चीजों को एड कर नायक की रील वायरल कर दी जाती है। सोशल मीडिया के जानकार युवाओं और एजेंसी के लिए पार्टियां अहम नहीं हैं, उम्मीदवार अहम हैं। एक ही एजेंसी एक क्षेत्र के कांग्रेस तो दूसरे इलाके के भाजपा उम्मीदवार के लिए काम कर रही है। निर्दलीय भी साथ हैं।

ऐसे काम करती है एजेंसी...

सोशल मीडिया का काम देखने वाले नेताजी के समर्थक या कर्मचारी बड़े शहरों की एजेंसी से भी काम करवा रहे हैं। ऑफिस में कर्मचारी लैपटॉप, कम्प्यूटर पर बैठकर प्रत्याशियों के वीडियो एडिट कर रहे हैं, मीम्स बना रहे हैं। एजेंसी के वीडियोग्राफर-फोटोग्राफर सुबह से ही उम्मीदवार के साथ हो जाते हैं। उनकी पूरी गतिविधि को कैद करते हैं। जो फोटो, वीडियो बनते हैं, उन्हें एडिट कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों के बीच वायरल करने का काम टीम व उम्मीदवार के समर्थक करते हैं।

फेसबुक लोकेशन की मदद से टारगेट होते हैं मतदाता...

एक प्रत्याशी के सोशल मीडिया का काम देख रहे अविनाश के मुताबिक उम्मीदवार की गतिविधियां उनके मतदाता तक पहुंचाने फेसबुक, जीओ लोकेशन काम आती है। उम्मीदवार जिस विधानसभा का है, उस क्षेत्र के सक्रिय लोगों की जीओ लोकेशन के आधार पर बंच तैयार होता है, फिर उन्हें पोस्ट भेजी जाती है। इन लोगों तक पोस्ट पहुंचाने के लिए फेसबुक को भुगतान किया जाता है। चुनाव प्रचार के मुकाबले यह राशि काफी कम होती है।

रील्स ऐसे पहुंचती है जनता तक...

एजेंसी के लोगों ने फेसबुक पर फेन क्लब के नाम से पेज बना रखे हैं, सभी पर पोस्ट वायरल की जाती है। सभी उम्मीदवारों के समर्थकों के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बने हैं, रील्स-मीम्स इस पर पोस्ट की जाती है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में सैकड़ों वाट्स ऐप ग्रुप बने हुए हैं, उनमें पोस्ट किया जाता है।

क्या कहते है एक्सपर्ट...

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रील्स, मीम्स आदि के जरिए प्रत्याशियों की बात मतदाताओं तक पहुंचाई जाती है। उम्मीदवारों का ध्यान अपनी छवि पर है। छवि को साफ सुथरा व जनता के हितों की ओर ध्यान रखने वाला बताकर पेश किया जाता है। एक पोस्ट तुरंत हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। काफी उम्मीदवार इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चुनाव के चलते नेताजी की डाइट में हुआ बदलाव

दिन में प्रचार तो रात में रणनीति मंथन से थक रहे नेताजी, सुबह जल्दी उठ फिर बनाई जा रही नई योजना

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव ने उम्मीदवारों के साथ उनके करीबी रणनीतिकार, कोर ग्रुप के सदस्य व उनके खास सिपहसलारों की भी नींद उड़ा रखी है। 18 से 20 घंटे तक काम के बाद ये तीन से चार घंटे की नींद ले रहे हैं। इस दौरान उम्मीदवार के साथ खास समर्थक भी संतुलित आहार के साथ ही योग, ध्यान का भी सहारा ले रहे हैं। ताकि भरपूर ऊर्जा के साथ काम में जुटे रहें।

जानकारी के अनुसार इन दिनों उम्मीदवारों के साथ उनकी डाइट मैनेज करने समर्थक भी चल रहे हैं। जो समय-समय पर उन्हें नारियल पानी, एनर्जी ड्रिंक दे रहे हैं। लगभग दस घंटे तक जनता के बीच रहने के साथ ही वे देर रात तक बैठक भी ले रहे हैं। नेताजी सुबह के खाने में खिचड़ी के साथ ही दाल रोटी ले रहे हैं। इसके साथ ही दिन के समय वे ड्राइ फ्रूटस और ग्लूकोज, लंच में दाल-रोटी तो डिनर में भी सादा खाना खा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की दिनचर्या भी बदल गई है। सुबह 5 बजे से नेताजी की दिनचर्या शुरू हो रही है। 6 बजे उम्मीदवार और उनके समर्थक कार्यालय या घर पर एकत्रित हो रहे हैं। इस दौरान फोन पर संपर्क व समर्थकों के साथ बैठक होती है। प्रात 8 बजे नाश्ते के बाद उम्मीदवार जनसंपर्क पर निकल जाते हैं। इस दौरान उनका लंच साथ में होता है। कई उम्मीदवार कार्यकर्ताओं के यहां भोजन कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं को पहले ही भोजन का मीनू बता दिया जाता है। रात 8 बजे तक जनंसपर्क जारी रहता है। इसके बाद अलग-अलग क्षेत्रों में बैठकें हो रही है। बाद में रात 11 बजे के बाद 1 बजे तक रणनीति बनाई जाती है। इस स्थिति मे उम्मीदवार 3 से 4 घंटे की ही नींद ले पा रहे हैं। उधर समर्थकों की भी यही स्थिति है।

शुगर-ब्लड प्रेशर की नियमित जांच...

डॉक्टर्स के अनुसार उम्मीदवार के साथ ही उनके समर्थक भी ब्लड-प्रेशर शुगर की नियमित जांच करा रहे हैं। हाई ब्लड प्रेशर व शुगर से बचने के लिए उन्हें दवा के साथ ही डाइट चार्ट फॉलो करने के साथ ही 6 घंटे की नींद लेने के लिए कहा जा रहा है।

फूलों की आवक कम, दाम दो गुने ज्यादा

थोक मंडी में गेंदा फूल 80 से 120 रुपए किलो बिका तो गुलाब के भाव 300 रुपए किलो रहे

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दीपावली पर फूलों की सजावट करना महंगा पड़ रहा है। शनिवार को थोक फूल मंडी में आवक गतवर्ष से करीब 45 फीसदी कम रही। इससे दाम आसमान में पहुंच गए। थोक मंडी में गेंदा फूल 80 से 120 रुपए किलो तक बिके। जबकि, गुलाब के दाम 300 रुपए किलो से ज्यादा रहे। ऐसे में दीपावली पर फूलमाला के दाम भी 50 रूपए तक हो सकते हैं।

इस साल बारिश कम होने व दीपावली देरी से होने पर गेंदा फूल के खेत भी खराब हो गए। उत्पादन कम होने से इस साल धनतेरस पर थोक फूल मंडी में गतवर्ष से आवक 45 फीसदी कम रही। इसका असर दामों पर देखा गया। वहीं आवक कम होने पर व्यापारी बाहर भी माल नहीं भेज पाए। शुक्रवार सुबह फूल मंडी में करीब 150 से 200 क्विंटल गेंदा की आवक हुई। इससे गेंदा 80 से 120 रुपए किलो तक बिका। जबकि गतवर्ष गेंदा 40 से 60 रुपए किलो ही था। वहीं गुलाब के फूल की आवक नाममात्र की हुई। शनिवार को मात्र 200 से 300 किलो आवक रही। आवक कम होने से गुलाब 300 रुपए किलो से ज्यादा रहे। जबकि, गतवर्ष गुलाब 150 से 180 रुपए किलो में बिका था। दीपावली पर सेवंती फूल की मांग रहती है। शुक्रवार को करीब 1500 किलो सेवंती की आवक रही व दाम 150 से 200 रुपए किलो रहे। हर साल फूल का उत्पादन अच्छा होने से मंदसौर के फूलों से दिल्ली, अजमेर, गुजरात के शहर महकते हैं। इस साल आवक कम होने से व्यापारी बाहर भी माल नहीं भेज पाए। थोक व्यापारियों ने बताया कि गतवर्ष की तुलना में 45 फीसदी आवक कम हुई। हर साल लगभग मंदसौर से 25 से 30 ट्रकों में 75 से 80 क्विंटल फूल दिल्ली, अहमदाबाद, वडोदरा भेजे जाते हैं। इस साल केवल दो से तीन ट्रक माल अहमदाबाद व वडोदरा भेजा गया।

चर्चा में है बसंत बाबा, गोपाल और सेंगर का तोड़...

चुनाव आचार संहिता में जहां एक ओर सजगता के साथ सभी आने जाने वालो की जांच की जा रही है, वहीं एक एजेंसी के कर्ताधर्ता द्वारा खड़े तोड़ किए जाने की चर्चा जोरो पर है। दरअसल एक फरार आरोपी गोपाल को एजेंसी के लोगो ने पकड़ लिया था। यह बात बसंत बाबा तक पहुंची और फिर सेंगर और बाबा के बीच शिखरवार्ता हुई। मजे की बात तो यह है कि एक तरफ पुलिस प्रशासन फरार लोगो को पकड़ने में जुटा हुआ है, वहीं यहां फरार आरोपी को पकड़ने के बाद 35 पे. में समझौते के तहत कथित रूप छोड़ दिया गया? मजे की बात तो यह है कि दिवाली मनाने के लिए पिकअप से पकड़ा डोडाचूरा भी किसी दूसरी पार्टी को दे दिए जाने की चर्चा चल रही है। इधर राणाखेड़ा की पिकअप और बादाखेड़ी का एमडी भी चर्चा में जोर पकड़ता जा रहा है। देखना है कि जिले में सेंगर आखिर कितना तेज चल पाता है। खैर, चर्चा है चर्चा क्या...।

अवकाश सूचना

दीपोत्सव पर्व पर दीपावली एवं पड़वा के अवसर पर दैनिक गुरु एक्सप्रेस कार्यालय में दिनांक 12 व 13 नवम्बर को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 15 नवम्बर को प्रकाशित होगा, बुधवार को पुनः मिलेंगे।

–संपादक

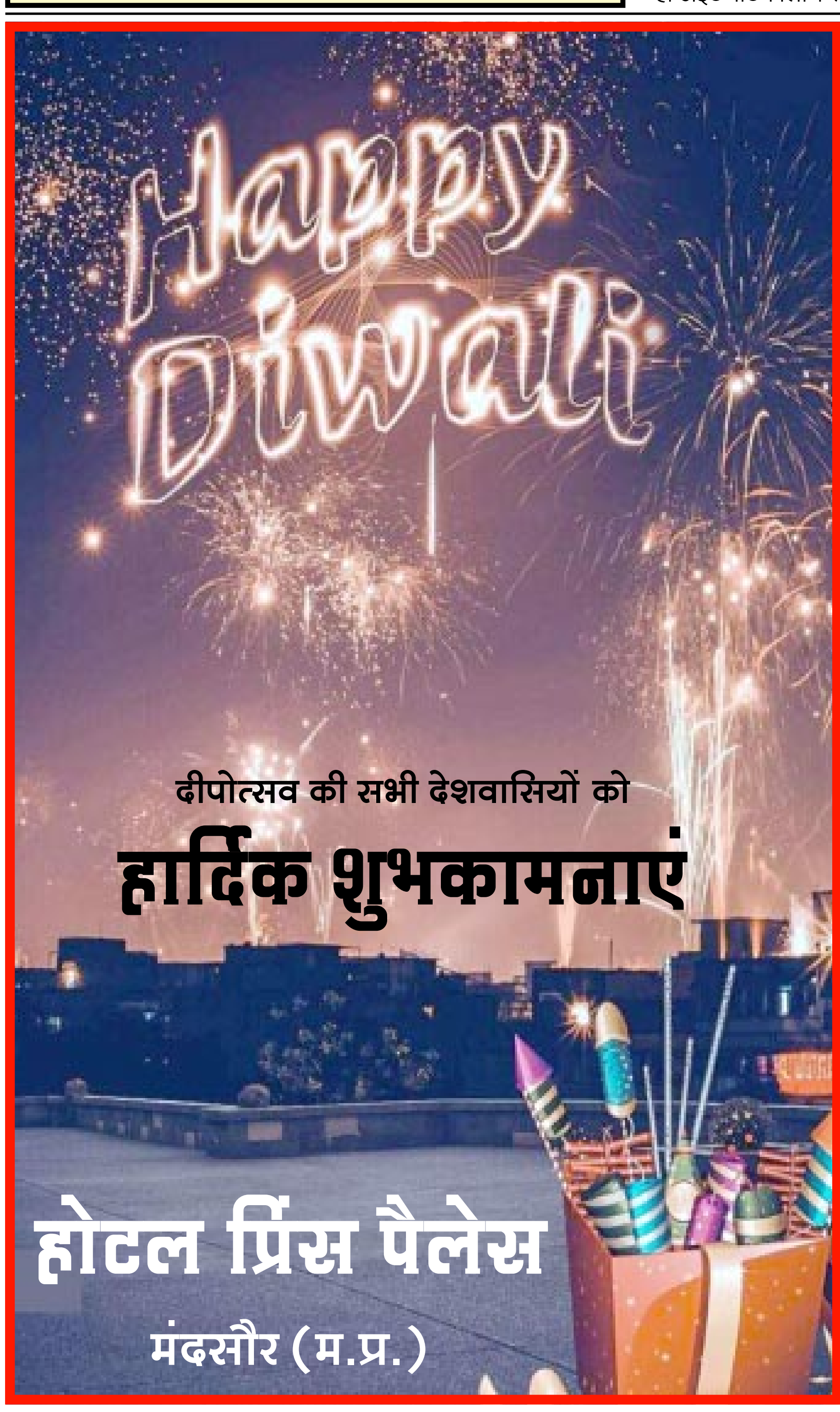

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जारी किया संकल्प पत्र

गरीब कल्याण, किसान कल्याण, शिक्षा क्रांति, महिला सशक्तिकरण सहित लाड़ली बहना केंद्र बिंदु

भोपाल, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ संकल्प पत्र, घोषणा पत्र, विजन डॉक्यूमेंट की महत्ता घटती गई है। क्योंकि, दूसरे दल वादे करके भूल जाते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सीएम शिवराज सिंह चौहान और अन्य बड़े नेताओं की मौजूदगी में भाजपा का मेनिफेस्टो जारी किया है। भाजपा ने अपने मेनिफेस्टो में किसानों के लिए कई घोषणाएं की है।

शनिवार को घोषित किए गए भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र का मुख्य केंद्र महिला सशक्तिकरण से लेकर किसान कल्याण एवं शिक्षा क्रांति, गरीब कल्याण एवं सर्वहारा वर्ग का हित सहित सरकार की महत्वाकांक्षी योजना लाडली बहना को और अधिक विस्तार दिया गया है।

यह है बीजेपी के संकल्प पत्र के महत्वपूर्ण अंश...

भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के नए परिसर का होगा निर्माण। भोपाल एवं इंदौर के बाद जबलपुर और ग्वालियर में कमिश्नर प्रणाली लागू करेंगे। अटल गृह ज्योति योजना के तहत 100 रूपए में 100 यूनिट बिजली। 6 नए एक्सप्रेस वे के साथ 80 रेलवे स्टेशनों का विश्वस्तरीय आधुनिकीकरण। तेंदूपत्ता खरीदी 4000 रूपए प्रति बोरा खरीदी करेंगे। एसटी बहुल मंडला, खरगोन, धार, बालाघाट एवं सीधी में मेडिकल कॉलेजों का होगा निर्माण। लाड़ली बहनों को आर्थिक मदद के साथ मिलेगा पक्का मकान। उज्ज्वला और लाड़ली बहना योजना की लाभार्थी बहनों को 450 रूपए में मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर। गेहूं और धान की फसल पर बोनस की व्यवस्था होगी। 2,700 रूपए प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीदा जाएगा। 3,100 प्रति क्विंटल पर धान की खरीद होगी।

किसान सम्मान निधि और किसान कल्याण योजना के तहत मिलेंगे 12,000 रुपए मिलेंगे। हर संभाग में आईआईटी की तर्ज पर बनेगा मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी। हर परिवार में कम से कम एक सदस्य को मिलेगा रोजगार/स्वरोजगार का अवसर। भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के नए परिसर का होगा निर्माण। भोपाल एवं इंदौर के बाद जबलपुर और ग्वालियर में कमिश्नर प्रणाली लागू करेंगे। हर लोकसभा में मेडिकल कॉलेज स्थापित करके 5 वर्षों में और 2000 सीटें जोड़ेंगे। प्रत्येक जिले में नर्सिंग कॉलेज स्थापित करेंगे। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले 7 वर्ष में 45 लाख करोड़ रूपए की बनाएंगे। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने के साथ ही 20 लाख करोड़ रूपए के निवेश लाएंगे।

विकसित एवं समृद्ध मध्य प्रदेश का यह रोड मेप-शिवराज

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बयान जारी कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र जारी हुआ है। हमने जो कहा सो किया, एक समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश का और जनता के कल्याण का रोड मैप होता है, संकल्प पत्र। उन्होंने कहा कि अभी हमने इस कार्यकाल में संकल्प पत्र के अतिरिक्त भी लाडली बहना जैसी योजना सीखो कमाओ योजना भी अतिरिक्त रूप से बनाई। लेकिन, आज जो संकल्प पत्र आया है वो मध्यप्रदेश को विकास और समृद्धि के पथ पर और आगे ले जाने का हमारा विजन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर हो, निवेश हो, विकास हो, रोजगार हो, टूरिज्म, ग्रामीण और शहरी विकास हो या समाज के हर वर्ग का कल्याण हो, किसान हो, गरीब हो, माताएं बहनें, बेटी-बेटा या कमजोर वर्ग हो, सबके कल्याण को ध्यान में रखते हुए एक विजन जो भारतीय जनता पार्टी का है, वो विजन प्रस्तुत किया है और इसको पूरा करने के लिए जुट जाएंगे। शिवराज ने कहा कि हमने पहले जो वादे किए वो पूरे किए और जो हम कह रहे हैं वो पूरे करेंगे। क्योंकि, हम ही हैं जो कहते हैं वो करते हैं।

कांग्रेस का घोषणा पत्र पूरी तरह झूठ और आडंबर- वीडी

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी किए गए संकल्प पत्र के विषय में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने इसे समृद्ध मध्य प्रदेश का आईना बताया। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस द्वारा जारी किए गए संकल्प पत्र अथवा घोषणा पत्र में पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी की नकल करने की एवं योजनाओं की कॉपी करने की बात कही । कांग्रेस के घोषणा पत्र को उन्होंने पूरी तरह से झूठ का प्रोपेगेंडा एवं आडंबर बताया। हाल ही में घोषित की गई कांग्रेस की कैंपेन और चुनाव समिति पर भी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि कांग्रेस की अगर किसी बात की गारंटी है, तो वह 20 लाख करोड़ के घोटाले की गारंटी है। मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस सरकार में घोटालों का उदाहरण हैं- मिस्टर करप्टनाथ और मिस्टर बंटाधार। दूसरा मोदी जी कहते हैं कि इनकी कोई गारंटी है तो वह परिवारवाद की गारंटी है। कांग्रेस की घोषित कमेटी ये दिखाती है कि परिवारवाद की गारंटी है। यह आज इस लिस्ट में भी साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। लेकिन, इस कमेटी में यह भी दिख रहा है कि कमलनाथ ने दिग्विजय सिंह के साथ चोट कर दी है। कमलनाथ अपने बेटे को तो कमेटी में ले आए, लेकिन दिग्विजय सिंह का बेटा नहीं आ पाया। मध्यप्रदेश कांग्रेस की घोषित हुई कमेटी में कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ का नाम परिवारवाद की परंपरा को चरितार्थ करती है।

महारानी लक्ष्मी बाई चौराहे पर हुआ दीपोत्सव का आयोजन

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता को किया गया जागरूक

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वीप गतिविधियों के माध्यम से जिले में मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत आज संजीत रोड स्थित महारानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर दीपोत्सव का आयोजन किया गया। वहीं पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन भी किया गया। नुक्कड़ नाटक मतदाताओं को बहुत ही प्रोत्साहित कर रही है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम जनता को मतदान के प्रति प्रेरित किया गया। अपर कलेक्टर एवं एडिशनल एसपी द्वारा मतदाताओं को 17 नवंबर के दिन मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई। वहीं पर बुजुर्ग मतदाताओं का सम्मान भी किया गया। उन्हें हार फूल एवं शाल श्रीफल भी भेंट किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, एडिशनल एसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी, महिला बाल विकास अधिकारी एवं कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बुजुर्ग मतदाता, बड़ी संख्या में जागरूक मतदाता

एमपी में कांग्रेस ने फिर किया ओल्ड पेंशन का वादा

राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में लागू नहीं हुई ओल्ड पेंशन

भोपाल, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस ने एक बार फिर मध्यप्रदेश की जनता से झूठा वादा किया है। एमपी में पार्टी चुनाव जीतने पर पुरानी पेंशन लागू करने का वादा कर रही है, लेकिन जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां इसे अभी तक लागू नहीं किया गया है। इस हिसाब से कांग्रेस की कथनी और करनी में जमीन आसमान का फर्क है। कांग्रेस ने राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की बात कही थी। लेकिन, आज तक इन राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम को लागू नहीं किया जा सका है। यह बात बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधियों ने विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान कही।

यह प्रतिनिधिमंडल भोपाल आया था। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कर्मचारी संगठनों को बताया कि पेंशन में सुधार की दिशा में केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार व्यापक प्रयास कर रही है। इसके लिए केंद्र शासन द्वारा शासकीय सेवकों के लिए वर्तमान में लागू नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के प्रावधानों को अधिक व्यावहारिक और कर्मचारियों के लिए अधिक लाभप्रद बनाया जाएगा। इसके लिए भारत सरकार के वित्त सचिव टी.वी. सोमनाथन की अध्यक्षता में अप्रैल 2023 में कमेटी भी गठित की गई है। यह कमेटी समस्त हितधारकों से चर्चा कर उनसे सुझाव प्राप्त करने के उपरांत नेशनल पेंशन सिस्टम में संशोधन संबंधी अपने सुझाव देगी। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के सचिव, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्त सचिव और पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमेन समिति के सदस्य हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारी संगठनों को बताया कि यह समिति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर संचालित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों, विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों के वित्त विभाग के प्रतिनिधियों से संवाद कर रही है। समिति ने एनपीएस संबंधी बिन्दुओं पर कर्मचारी संगठनों के सुझाव प्राप्त किए हैं। समिति विभिन्न कर्मचारी संगठनों के साथ 20 से अधिक बैठकें कर चुकी हैं। इसके साथ ही समिति ने विभिन्न राज्य सरकारों के आय के स्त्रोतों उन सरकारों के व्यय तथा इसके परिप्रेक्ष्य में ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू कर पाने की संभावनाओं का आंकलन भी किया है।

केंद्र सरकार के सहयोग के बिना पेंशन देना संभव नहीं

प्रतिनिधियों ने बताया कि कांग्रेस किसी भी हालत में ओल्ड पेंशन शुरू करने के लिए सक्षम नहीं है। व्यय के स्त्रोतों का निर्धारण मुख्य रूप से केन्द्र शासन द्वारा किया जाता है। कोई भी राज्य सरकार बिना केन्द्र शासन की सहमति और सहयोग के ओल्ड पेंशन स्कीम जैसी महती योजना का क्रियान्वयन अपने स्वंय के स्त्रोतों से कर पाने में समर्थ नहीं है।

केंद्र सरकार पेंशन स्कीम में कर रही बदलाव

भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारी संगठनों की प्रतिनिधियों से चर्चा में बताया कि भारत सरकार सभी के हितों की रक्षा करते हुए नेशनल पेंशन सिस्टम को अधिक बेहतर बनाने केलिए आवश्यक संशोधन की दिशा में प्रयासरत है। केंद्र शासन और संगठन का यह प्रयास है कि शासकीय सेवकों को अधिक से अधिक पेंशन के लाभ सुनिश्चित हों और उनके परिवारों को संपूर्ण सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो तथा वे सेवानिवृत्ति के बाद निश्चिंत और सुखद जीवन व्यतीत करें।

व्यापारियों ने किया भाजपा प्रत्याशी विधायक सिसौदिया का स्वागत

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक यशपालसिंह सिसोदिया नगर के विभिन्न वार्डो में जनसम्पर्क कर रहे है। इस दौरान घर-घर में नागरिक स्वागत कर रहे है। शनिवार को श्री सिसोदिया का मंदसौर के पटाखा व्यापारियों ने भी स्वागत किया।

दरअसल इस वर्ष आचार संहिता का हवाला देकर पटाखा मार्केट को पशुपतिनाथ मेला प्रांगण में लगाया जा रहा था। इसकों लेकर पटाखा व्यापारियों ने विधायक यशपालसिंह सिसोदिया को अवगत कराया और कहा था कि इससे पटाखा व्यापार प्रभावित हो जाऐगा। आम जनता के हितों के प्रति समर्पित और जागरूक रहने वाले विधायक श्री सिसोदिया ने तत्काल इस विषय को लेकर जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित कराया। जिसके बाद जनहित में पुन: पटाखा मार्केट कॉलेज मैदान में ही लगाने का निर्णय हुआ। व्यापारियों और जनहित में करवाऐ गऐ निर्णय को लेकर पटाखा मार्केट के व्यापारियों ने श्री सिसोदिया का स्वागत किया।

इस दौरान भाजपा प्रत्याशी और विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने संवाद करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार सदैव जनहित के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान लगातार आम जनता के हितों के लिए ही चिंतन करते है और आम व्यक्ति के उत्थान को लेकर विभिन्न प्रकार की योजनाऐ बनाते है। जिसके कारण युवाओं के लिए सीखों कमाओं योजना प्रारंभ हुई, इस योजना के माध्यम से युवाओं को तकनीकि विधाओं का प्रशिक्षण मिल रहा है। इसके साथ ही सरकार द्वारा स्टाईफंड दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर बनेंगे। इसके लिए भी सरकार मदद करेंगी ओर युवाओं को रोजगार से जोड़ेगी। इसके अतिरिक्त फुटकर व्यापारियों के लिए भी समय-समय पर योजनाऐ भाजपा की सरकार ने लागु की है। श्री सिसोदिया ने कहा बेटियों को भाजपा की सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी बनाया है, उसके जन्म से लेकर विवाह तक की चिंता भाजपा की सरकार करती है। महिलाओं को लाड़ली बहना बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है, आज बहनों के खातों में मप्र की सरकार 1250 रूपऐ प्रतिमाह भेजती है, आगे चलकर इस राशि का 3000 रूपऐ किया जाऐगा।

श्री सिसोदिया ने कहा कि पिछले बीस बरस में भाजपा की सरकार ने हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाऐ बनाई और प्रदेश को समृद्ध और स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाया है। जिसमें मंदसौर भी पीछे नहीं है। मंदसौर में चौड़ी सड़के, महानगरों की तर्ज पर बड़े-बड़े ओव्हरब्रिज बनाऐ गये है। भगवान पशुपतिनाथ लोक आकार ले रहा है। इसके साथ ही गरीब के बेटे-बेटियों के अध्ययन के लिए भी भाजपा की सरकार ने काम किया है। अब मंदसौर के बेटे-बेटियों को नर्सिग, पॉलीटेक्निक और आईटीआई की शिक्षा लेने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता बल्कि मंदसौर में यह कॉलेज प्रारंभ हो चूके है। आने वाले वर्ष से मंदसौर में मेडिकल की पढाई भी प्रारंभ हो जाऐगी, मेडिकल कॉलेज का भवन लगभग बनकर तैयार हो चूका है। श्री सिसोदिया ने आव्हान किया कि विकास की इस गति को बनाऐ रखने के लिए जनता का सहयोग और साथ आवश्यक है।

जिले में 15 से 17 नवम्बर तक ड्राय डे रहेगा

नीमच, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा के तहत प्रावधान है, कि मतदान क्षेत्र में किसी निर्वाचन के लिये मतदान समाप्त होने के लिये नियत समय के साथ समाप्त होने वाली 48 घंटे की अवधि के दौरान उस मतदान क्षेत्र के भीतर किसी होटल, आहार गृह, मधुशाला में अथवा किसी अन्य सार्वजनिक या निजी स्थान में कोई भी स्पिरिट्युक्त, किण्वित या मादक लिकर या वैसी ही प्रकृति का अन्य पदार्थ न तो विक्रय किया जाएगा, न दिया जायेगा और न वितरित किया जायेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डााधिकारी श्री दिनेश जैन व्दा रा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 (1) के तहत विधानसभा निर्वाचन 2023 के समय शान्तिपूर्ण निर्वाचन के लिए प्रशासकीय एवं लोकहित में नीमच जिले की समस्त कंपोजिट मंदिरा दुकाने एक एल-2 बार एक एल-7 (फुटकर एवं सैनिक कैंटिन) एवं मद्य भंडागार, मतदान समाप्ति के 48 घण्टे पूर्व से अर्थात 15 नवम्ब र 2023 को सायंकाल 6.00 बजे से 17 नवम्बार 2023 को मतदान समाप्ति तक तथा मतगणना दिवस 03. दिसम्ब र 2023 को संपूर्ण दिवस शुष्क7 दिवस (ड्राय डे) के घोषित किया गया है।

उक्त अवधि में उपरोक्त के साथ ही किसी होटल, भोजनशाला, रेस्टोरेंट क्लब, दुकान में अथवा किसी अन्य लोक या प्रायवेट स्थान में कोई स्पिरिट्युक्त किण्वित या मादक लिकर या वैसी ही प्रकृति का अन्ये पदार्थ का विक्रय किया जाना, दिया जाना व वितरित किया जाना प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जायेगा

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने आदेश जारी किये है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान के दिन 17 नवम्बर को किसी भी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रय या किसी अन्य स्थापना में काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मतदान करने के लिए सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जायेगा। अवकाश अवधि में उसका वेतन/भत्ता नहीं काटा जायेगा।

15 नवंबर की शाम 6 बजे से 17 नवंबर मतदान समाप्ति तक रहेगा शुष्क दिवस

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत 17 नवंबर को होने वाले मतदान को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने 15 नवंबर को शाम 6 बजे से 17 नवंबर को मतदान समाप्ति तक शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस अवधि के दौरान जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें, मदिरा गोदाम, रेस्टोरेंट बार (एफ. एल.-2), पर्यटन बार (एफ.एल.-2-कक) होटल बार (एफ. एल -3), वाईन आउटलेट एवं देशी मदिरा स्टोरेज भंडागार को पूर्णत: बंद रखा जाकार क्रय- विक्रय प्रतिबंधित किया जाता है।

जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब की बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान (मतदान दिवस 17 नवम्बर) को मतदान समाप्ति के नियत समय शाम 6 बजे से 48 घंटे पूर्व की अवधि में जिले से लगते हुऐ सीमावर्ती क्षेत्र के तीन किलो मीटर के क्षेत्र में शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किये हैं। जिससे कि जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों से शराब विक्रय होकर मंदसौर जिले के निर्वाचन क्षेत्रों में पहुचाई जाने की आशंका न रहें।

माईक्रोआर्ब्जवर नोडल अधिकारी शर्मा नियुक्त किये

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मंदसौर ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए माईक्रोआर्ब्जवर के साथ समन्वय स्थापित कर उनके कार्य को सुचारू रूप से संपादित किये जाने हेतु श्री राकेश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर जिला मंदसौर को माईक्रोआर्ब्जवर नोडल अधिकारी एवं उनके सहायक के रूप में श्री प्रकाश झा, लीड बैंक मेनेजर (सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया मंदसौर) को सहायक नोडल नियुक्त किया हैं।

स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन की प्रक्रिया में माइक्रो आब्जर्वर की भूमिका महत्वपूर्ण

माइक्रो आब्जर्वरों का प्रशिक्षण सम्पन्न

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 को संपन्न कराए जाने हेतु चारों विधानसभा के माइक्रो आब्जर्वरों को कुशाभाउ ठाकरे आटिडोरियम में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण डा जेके जैन द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मंदसौर एवं मल्हारगढ के सामान्य प्रेक्षक श्री ऋग्वेद मिलिंद ठाकुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव, चारों विधानसभा के माइक्रो आब्जर्वर उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में सभी माइक्रो आब्जर्वर को चुनाव कार्य के सुचारू रूप से संचालन हेतु अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए गये। प्रशिक्षण में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 अन्तर्गत निर्वाचन की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। आप सभी की ड्यूटी माइक्रो आब्जर्वर के रूप में लगाई गई है तो अपने क्षेत्र में समन्वय बनाकर निर्वाचन कार्य में सहभागिता प्रदान करें। निर्वाचन कार्यों में र्सहभागिता देना एक गर्व का विषय भी है। प्रशिक्षण में बताया गया कि जिले के अधिकांश मतदान केन्द्रों का टीम द्वारा अवलोकन किया है। किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। निर्वाचन कार्य में आप अकेले नहीं हैं, आपके साथ पूरी टीम है।

प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डा. जे.के. जैन ने मतदान दिवस को माइक्रो आब्जर्वर द्वारा किये जाने वाले कार्यों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने माइक्रो आब्जर्वर द्वारा विभिन्न बिंदुओं में दी जाने वाली फीडबैक रिपोर्ट के बारे में अवगत कराया गया। इसमें माइक्रो ऑब्जर्वर का नाम, पदनाम, आवंटित मतदान केन्द्र का नाम व नंबर, मतदान केन्द्र पर पहुंचने का दिनांक एवं समय, पीठासीन अधिकारी का नाम, कुल मतदाताओं की सूची, बनावटी मतदान समय, चुनाव प्रारंभ होने का समय, मतदान केन्द्र में सेक्टर अधिकारियों का भ्रमण मतदान केन्द्र में किसी प्रकार की हिंसा व वाद-विवाद की स्थिति, हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत की जानकारी आदि के बारे में अवगत कराया गया।

आयुर्वेद प्रकृति से जुड़ी पद्धति है और हम प्रकृति से ही खिलवाड़ कर रहे हैं-डॉ पुराणिक

मंदसौर में धन्वंतरि जयंती 'स्वास्थ्य दिवस समारोह' के रूप में मनाई

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दशकों से आयुर्वेद को अपेक्षित प्रश्रय नहीं मिल पाया , जबकि अन्य चिकित्सा के प्रति अधिक रुझान सरकारों , कर्णधारों और जनमानस का देखा गया यह वातावरण बदलने की आवश्यकता है यह बात कही पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी एवं दशपुर जागृति संगठन अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पुराणिक ने।

आप शुक्रवार शाम मंदसौर के गौशाला भवन कालिदास मार्ग स्थित आयुर्वेद संस्थान अरविंद स्टोर पर आयोजित भगवान धन्वंतरि जयंती अवसर के स्वास्थ्य दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता टीवी एवं आकाशवाणी कलाकार तथा प्रख्यात मालवी गीतकार श्री श्याम चौबे ने की। डॉ पुराणिक ने कहा कि मूलत: आयुर्वेद प्रकृति से जुड़ी चिकित्सा पध्दति है , प्रकृति पर्यावरण से जुड़ी है पर

आधुनिकता और गैरजरूरी प्रतिस्पर्धा के चलते हम और समाज प्रकृति से ही खिलवाड़ कर रहा है ,

अधिक पैदावार की होड़ में अंधाधुंध रासायनिक खाद का उपयोग किया जारहा है , प्रदूषित पानी में सब्जियां और अन्य पैदावार ली जारही है यह दुष्प्रभाव साबित भी होता जारहा है फिर भी गंभीरता नहीं देखी जारही इसके दुष्परिणाम हमे और बादवाली पीढ़ी को भुगतना पड़ रहे है। आपने कहा जैविक खाद जैविक उत्पादन मोटा अनाज अब प्राथमिकता से उपयोग करना होगा , आयुर्वेद भी निरापद और स्थायी निदान की चिकित्सा है इसे सरकारी स्तर और समाज स्तर पर प्रोत्साहन देना ही होगा। आपने अरविंद स्टोर संस्थान की पांच दशकों से जारी आयुर्वेद परंपरा की सराहना की। गीतकार श्री श्याम चौबे ने मालवी गीत प्रस्तुत किया और आयुर्वेद प्रवर्तक भगवान धन्वंतरि को गीत माध्यम से स्मरण किया। कम खाओ - ग़म खाओ , जोगी ओर भोगी तुम कबहु न हो रोगी की व्याख्या की।

आयुर्वेद ओषधि निर्माता श्री मिलिंद जिल्हेवार ने कहा कि हर चिकित्सा प्रणाली की विशेषता है वहीं कुछ प्रतिकूलता भी है। रोग और रोगी की परिस्थितियों अनुसार उपचार होना चाहिए। आयुर्वेद सदियों से विश्वसनीय है और सिद्ध पध्दति है जरूरत आयुर्वेद चिकित्सक , राज्यों व केंद्र सरकार द्वारा इसे समर्थन देने की है। विश्व के अनेक देशों में आयुर्वेद के प्रति अधिक प्रचार प्रसार है जबकि भारत आयुर्वेद का जनक माना जाता है पर वह स्थान नहीं मिल रहा । वरिष्ठ चिकित्सक डॉ कमलेश संगतानी ने कहा कि आयुर्वेद की तुलना आत्मा से की और अन्य पध्दति को मन का कारक माना। आत्मा स्थित आयुर्वेद श्रेष्ठ चिकित्सा है वहीं मन जिस प्रकार चंचल होता है वही स्थिति एलोपैथी व अन्य चिकित्सा की है। डॉ संगतानी ने माना कि आयुर्वेद की जड़ी बूटियों के चमत्कारिक लाभ जीर्ण रोगों में देखे गए हैं। पूर्व पुलिस आईजी (सुरक्षा) श्री अशोक कुमार सोनी ने कहा आयुर्वेद भारतीय जलवायु के अनुकूल प्राचीन चिकित्सा पद्यति है। कोरोना संक्रमण काल में इसके महत्व को देश ही नहीं विश्व ने देखा और प्रयोग में लेकर लाभ उठाया । जिला इंटक उपाध्यक्ष एवं पारीक परिषद संरक्षक गोपाल गुरु , शिक्षाविद सुनील कटलाना , समाजसेवी श्री विनायक भट्ट, आर्टिस्ट फोटोग्राफर श्री कौशल त्रिवेदी आदि ने आयुर्वेद पर अपने विचार व्यक्त किये। इसके पूर्व भगवान धन्वंतरि की पूजन आरती सामुहिक रूप से सम्पन्न हुई। आयुर्वेद स्वास्थ्य दिवस समारोह संचालन अरविंद स्टोर संस्थान संचालक वैद्य ललित बटवाल ने किया। इस अवसर पर गणमान्य जनों के साथ पंडित कृष्ण वल्लभ त्रिपाठी , केमिस्ट विवेक बटवाल , महेश चंदवानी , गुरुप्रसाद भंडारी , विबोध डायरेक्टर अभिषेक बटवाल , श्रीमती दिव्या भंडारी , केमिस्ट ऋषभ , श्रीमती योगिता पारीक , श्रीमती जागृति शर्मा , सुश्री युविका , अमिष सुश्री कनुश्री आदि उपस्थित थे। आभार जनपरिषद जिला संयोजक डॉ घनश्याम बटवाल ने माना।

मतदान के लिये जागरूक किया

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, संजीत मार्ग,मंदसौर में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निशा महाराणा के मार्गदर्शन में कैम्पस एम्बेसडर आदित्य परिहार व अंजना भारती, नोडल अधिकारी डॉ. योगिता सोमानी, मेंटर्स शिक्षक की उपस्थिति में डी.एल.एड. एवं बी.एड. के प्रशिक्षणार्थियों ने जग्गाखेड़ी चौराहे पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न नारों के माध्यम से मतदान की महत्ता को बतलाते हुए मतदान करने के लिए जागरूक किया।

विचार-मंथन

नीतीश का अमर्यादित बयान शर्मसार करने वाला

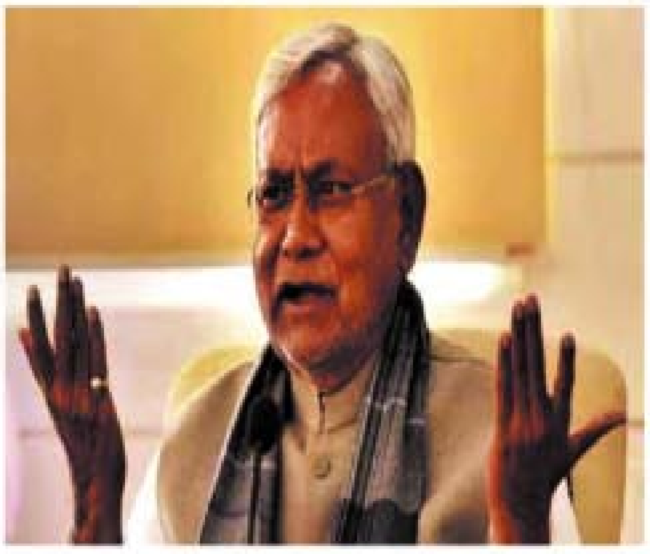

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में दिए गए अपने एक अमर्यादित बयान के लिए माफी मांग ली है, लेकिन उनके मुंह से जो बात निकली, वह किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करने वाली है। यह इसलिए ज्यादा गंभीर है कि वे किसी अनौपचारिक बैठक में अपनी बात नहीं कह रहे थे, बल्कि विधानसभा में सदन को संबोधित कर रहे थे। हालांकि अगर कोई व्यक्ति संवेदनशील और सचेत है, तो वह किसी भी जगह अपनी बोली को बेलगाम नहीं होने देगा, बल्कि इसे अपने व्यक्तित्व की सहज अभिव्यक्ति में समाहित करेगा। मगर नीतीश कुमार ने इसका ध्यान रखना तब भी जरूरी नहीं समझा, जब वे बाकायदा मुख्यमंत्री के रूप में सदन में बोल रहे थे। गौरतलब है कि मंगलवार को उन्होंने जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए महिलाओं के बीच शिक्षा के महत्त्व पर जोर देते हुए विधानसभा में एक विवरण रखा कि कैसे एक शिक्षित महिला प्रजनन दर कम करने और जनसंख्या नियंत्रण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह एक सकारात्मक पक्ष है, जिसकी अपनी अहमियत है। मगर इसके महत्त्व को दर्ज करते हुए उन्होंने जिस भाषा का प्रयोग किया, वह पूरी तरह अवांछित और अनपेक्षित था। इसे एक तरह से मर्यादा को ताक पर रखना कहा जा सकता है। यह बेवजह नहीं है कि सदन में उपस्थित सदस्यों सहित इस बयान को सुनने वाले सभी व्यक्ति को उनकी यह बात बेहद अमर्यादित और अपमानित करने वाली लगी और इसके विरुद्ध आक्रोश उभरा। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज की। विपक्षी दलों की ओर से स्वाभाविक ही नीतीश कुमार के बयान को लेकर तीखा विरोध किया गया और माफी की मांग की गई। हालांकि मामले के तूल पकड़ने के बाद नीतीश कुमार ने जिस तरह अपने बयान के लिए माफी मांगी, उससे समझा जा सकता है कि उन्हें अपनी गलती का अहसास है, लेकिन इससे यही जाहिर हुआ है कि किसी जरूरी बात को कहने के लिए अगर भाषा और शब्दों का चुनाव उचित नहीं है, तो वह बात न सिर्फ अपना अर्थ खो दे सकती है, बल्कि अपने संदर्भ के विपरीत नतीजे भी दे सकती है। नीतीश कुमार के बयान को इसी आलोक में देखा जा सकता है। खासतौर पर इसलिए भी कि विधानसभा ऐसी जगह होती है, जहां एक-एक शब्द बोलते हुए कानून से लेकर समाज तक के हर पहलू का ध्यान रखना पड़ता है। ऐसे अनेक मौके आते हैं जब विधानसभा या किसी भी सदन में जब कोई जनप्रतिनिधि बेलगाम या अवांछित भाषा का प्रयोग करता है तो उस पर आपत्ति दर्ज की जाती है, उसे सदन की कार्रवाई से हटा भी दिया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि शिक्षा के प्रसार के साथ महिलाओं के बीच जागरूकता बढ़ी है, कई स्तरों पर उनका सशक्तीकरण हुआ है। समाज की गतिविधियों में उनकी भूमिका का विस्तार हुआ है और परिवार के महत्त्वपूर्ण फैसलों में भी उनका दखल बढ़ा है। महिलाओं की काबिलियत और उपलब्धियों को दर्ज किया जाना चाहिए। मगर ऐसा करते हुए अगर अवांछित शब्दों का प्रयोग किया जाता है तो यह एक तरह से महिलाओं को अपमानित करने के तौर पर ही देखा जाएगा। बिहार में नीतीश कुमार को शिक्षा और नौकरियों के क्षेत्र में महिलाओं के लिए विशेष अवसर सृजित करने और भागीदारी का अनुपात बढ़ाने के लिए भी जाना जाता है। आमतौर पर उन्हें एक सौम्य, संतुलित और संवेदनशील व्यक्ति के रूप में ही देखा जाता है और उनसे उनके प्रचारित व्यक्तित्व के अनुरूप ही विचार और व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। यह हैरानी की बात है कि महिलाओं के बीच शिक्षा के महत्त्व को दर्ज करते हुए उन्होंने बोली में सलीके का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा।

बिहार की दुर्दशा के लिए सभी जिम्मेवार...

अजीत द्विवेदी

बिहार सरकार ने सात नवंबर को विधानमंडल में बिहार की दुर्दशा के दस्तावेज पेश किए। इससे पहले दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर बिहार सरकार ने जाति गणना के आंकड़े जारी किए थे, जिससे पता चला था कि बिहार में 63 फीसदी आबादी पिछड़ी जातियों की है, अनुसूचित जाति की आबादी 20 फीसदी और अनुसूचित जनजाति की आबादी एक फीसदी है, जबकि सवर्ण आबादी सिर्फ साढ़े 15 फीसदी है। इसके बाद सात नवंबर को बिहार सरकार ने इन जातियों की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति के आंकड़े पेश किए, जिससे इन सबकी सामूहिक दुर्दशा का पता चला। भारत सरकार का नीति आयोग बिहार में पिछड़ेपन और गरीबी के जो आंकड़े पिछले अनेक साले से पेश करता आ रहा है उन सबकी पुष्टि बिहार में हुए सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों से हो गई है। बिहार हर पैमाने पर देश का सबसे गरीब, पिछड़ा और अनपढ़ राज्य है, यह तथ्य स्थापित हुआ है। बिहार के सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि बिहार के 34 फीसदी परिवार की हर स्रोत से सामूहिक आय छह हजार रुपए महीने से कम है। इसका मतलब है कि अगर एक परिवार में पांच व्यक्ति हैं तो प्रति व्यक्ति मासिक आय 12 सौ रुपए यानी 40 रुपए रोज है। इसके बाद जो दूसरी श्रेणी है, जिनकी आय छह से 10 हजार के बीच है उनकी संख्या 29 फीसदी से कुछ ज्यादा है। इस श्रेणी के परिवारों की प्रति व्यक्ति

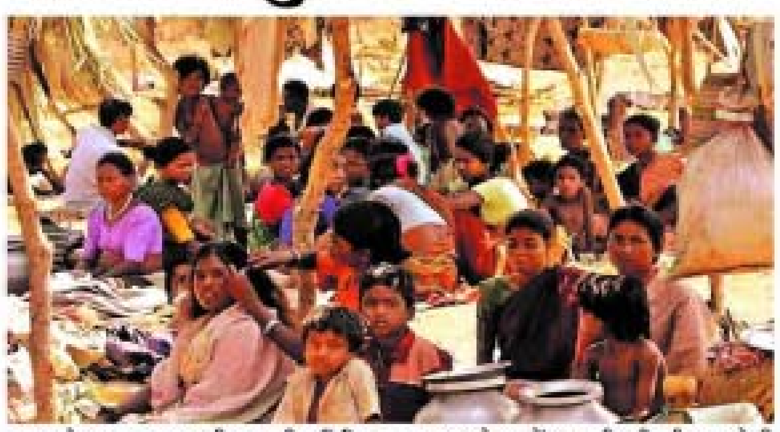

आय दो हजार रुपए महीना यानी प्रतिदिन 70 रुपए से कम है। सोचें, बिहार के तीन में से दो व्यक्ति 70 रुपए रोज से कम आय वाले हैं! जिस बिहार के बारे में यह धारणा बनी है या बनाई गई है कि वहां से बड़ी संख्या में आईएएस-आईपीएस बनते हैं या आईआईटी-आईआईएम में जाते हैं वहां सिर्फ सात फीसदी लोग ग्रेजुएट हैं और महज एक फीसदी लोगों ने पोस्ट ग्रेजुएट तक पढ़ाई की है। कुल 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार में सिर्फ पांच फीसदी लोग नौकरी करते हैं। इसमें सरकारी नौकरी करने वाले शामिल हैं तो साथ ही संगठित और असंगठित निजी क्षेत्र में नौकरी करने वाले भी हैं। बिहार को लेकर यह भी एक मिथक है कि यह कृषि प्रधान प्रदेश है लेकिन सरकार द्वारा पेश किए गए सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि सिर्फ सात फीसदी लोग कृषि कार्य करते हैं और चार फीसदी से कुछ कम लोग स्वरोजगार करते हैं। सबसे ज्यादा 17 फीसदी लोग मजदूरी करते हैं। सरकार ने इसमें 67 फीसदी की एक श्रेणी अलग बनाई है, जिनको गृहिणी और विद्यार्थियों की श्रेणी कहा गया है। इसका मतलब है कि इतने लोग कोई काम नहीं करते हैं। सोचें, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिला सशक्तिकरण के दावों के बारे में! महिलाओं के लिए कितना कुछ करने के दावे किए जाते हैं लेकिन हकीकत यह है कि आधी आबादी का बड़ा हिस्सा गृहिणी है, जिसका मतलब यह है कि आय अर्जित करने वाला कोई काम उनके पास नहीं है। सवाल है कि जब आधी आबादी के पास कोई काम नहीं होगा तो कोई भी राज्य या देश कैसे प्रगति कर सकता है? बिहार की यह बदहाली सभी जातियों की सामूहिक बदहाली है। ऐसा नहीं है कि अगड़ी जातियां इस बदहाली से बाहर हैं। बिहार में हिंदू सवर्णों की चार और मुस्लिम सवर्णों की तीन जातियां हैं। इन सात जातियों में सबसे ज्यादा गरीब भूमिहार हैं। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक करीब 28 फीसदी भूमिहार परिवारों की मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। इसके बाद राजपूत, ब्राह्मण, शेख, सैयद और पठान आते हैं। सवर्णों में सबसे बेहतर स्थिति कायस्थों की है। कुल मिला कर 25 फीसदी सवर्ण परिवार छह हजार रुपए की मासिक आय वाली श्रेणी में हैं, जबकि 34 फीसदी पिछड़ी आबादी इस श्रेणी में आती है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की स्थिति सबसे खराब है, जिनमें 42 फीसदी से ज्यादा परिवार छह हजार रुपए आय वाली श्रेणी में है। ज्यादातर लोग कच्चे या खपरैल के मकानों में रहते हैं और महज पांच फीसदी आबादी के पास ही किसी तरह का मोटराइज्ड वाहन है। बिहार और उसके 13 करोड़ लोगों की बदहाली का यह आंकड़ा पेश करने के बाद बिहार सरकार ने जो कथित मास्टरस्ट्रोक चला है वह आरक्षण की सीमा बढ़ाने का है। सोचें, जो काम आरक्षण की 60 फीसदी की सीमा में नहीं हुआ क्या वह 75 फीसदी कर देने से हो जाएगा? जाहिर है यह वोट लेने के लिए लोगों को मूर्ख बनाने का एक दांव है। सो, अब बड़ा सवाल है कि बिहार की इस बदहाली के लिए जिम्मेदार कौन है? इस सवाल का जवाब बहुत मुश्किल नहीं है। बिहार की इस दुर्दशा में सभी पार्टियां समान रूप से शामिल हैं। बिहार में पिछले 33 साल से या तो लालू प्रसाद की पार्टी राजद का मुख्यमंत्री रहा या नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का मुख्यमंत्री रहा। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे तो तेजस्वी यादव दो बार में तीन साल उप मुख्यमंत्री रहे हैं। नीतीश कुमार 17 साल मुख्यमंत्री रह चुके। एक साल से कुछ कम समय के लिए उन्होंने जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। नीतीश के साथ करीब 13 साल तक भाजपा भी सरकार में रही और पहले सुशील मोदी फिर बाद में तारकिशोर प्रसाद व रेणु देवी उप मुख्यमंत्री रहे। अलग अलग समय में कांग्रेस भी आठ साल तक राजद और जदयू के साथ सरकार में रही है। सो, दोनों बड़ी प्रादेशिक पार्टियां और दोनों राष्ट्रीय पार्टियां लगभग समान रूप से बिहार की इस दुर्दशा के लिए जिम्मेदार हैं। यह बिहार का दुर्भाग्य है, जो किसी भी सरकार या मुख्यमंत्री ने विकास की दृष्टि नहीं दिखाई। सबने उतना ही काम किया, जितना सरकारी फंड खर्च करने के लिए जरूरी था। बिहार के दोनों नेताओं, लालू प्रसाद और नीतीश कुमार का रोना रहा है कि बिहार लैंड लॉक्ड स्टेट है यानी समुद्र और बंदरगाह नहीं है और झारखंड अलग होने के बाद कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं है। इस कमी के बावजूद औद्योगिक विकास हो सकता था और रोजगार का सृजन संभव था। आईटी और आईटी आधारित सेवाओं का कारोबार जब फला-फूला तब बिहार में उस दिशा में काम हो सकता था। आज दुनिया भर के कपड़े बांग्लादेश में सिल रहे हैं क्या वह काम बिहार में नहीं हो सकता था? बिहार एक समय छोटे और बड़े उद्योगों का केंद्र रहा था। बरौनी रिफाइनरी से लेकर सिंदरी के खाद कारखाने और बोकारो से लेकर जमशेदपुर तक स्टील की फैक्टरियां चलती थीं। हर जिले में एक या उससे ज्यादा चीनी मिल था।

युद्धों से हथियार बेचने वाले देशों को होता है फायदा

अतुल सहगल

सामान्य तौर पर युद्धों से हथियार बेचने वाले देशों को लाभ होता है जो युद्धरत पक्षों को हथियारों की आपूर्ति करते हैं और पैसा कमाते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन जीतता है या हारता है। अर्थशास्त्र सभी मानवीय गतिविधियों का मूल है। वह इन सबका मूल है। चाहे वह भोजन, कपड़े या फिर आश्रय की आवश्यकताएं हों या संस्थागत अस्तित्व की जटिलताओं से उत्पन्न मनुष्य की अन्य आवश्यकताएं हों। पैसा सभी गतिविधियों और प्रयासों के केंद्र में है और ऐसा होना ही चाहिए क्योंकि यह मानवीय आवश्यकताओं और लालच की संतुष्टि के लिए सभी वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान का माध्यम है। जबकि मानव की आवश्यकता किसी व्यक्ति की निश्चित और सीमित आवश्यकताओं के आधार पर सीमित होती है। मानवीय लालच की कोई सीमा नहीं होती। यह मानवीय लालच ही है जो मनुष्य को सभी तरीकों से आत्म प्रशंसा की ओर प्रेरित करती है। लेकिन आर्थिक लालच ही मानवीय जाति को पीड़ित करने वाला एकमात्र दोष नहीं है। यह साफ तौर पर आधिपत्य की लालसा है जिसके कारण हाथापाई, झगड़े और युद्ध हुए हैं। ज्ञात रहे कि विश्व इतिहास में किसी भी समय की तुलना में आज के युद्धों का आर्थिक आयाम बहुत अधिक है क्योंकि आधुनिक हथियारों के पीछे सकल भौतिक प्रौद्योगिकी और अधिक महत्वपूर्ण रूप से युद्ध के आर्थिक परिणाम हैं। इसलिए युद्ध में बड़ी धनराशि खर्च होती है। युद्ध के कारण होने वाला विनाश पुन- निर्माण के रूप में बड़ी आर्थिक गतिविधि का रास्ता बनाता है जिसमें कई व्यक्तियों या संस्थानों को मौद्रिक लाभ होता है। पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रों के बीच हुए कई युद्धों की विशेषता बिल्कुल यही विशेषताएं हैं। इसलिए युद्ध का एक ठोस आर्थिक कारण है। हालांकि युद्ध के आर्थिक लाभ किसी राष्ट्र की संस्था के पक्ष में भारी पड़ सकते हैं। यह आज के समय की कटु सच्चाई है। 20वीं सदी के प्रमुख युद्ध-विश्व युद्ध 1 और 2, देशों को हड़पने और राष्ट्रीय क्षेत्रों का विस्तार करने के लिए लड़े गए थे। 21वीं सदी की दुनिया इस समय एक और बड़े युद्ध के मुहाने पर है जिसमें कई राष्ट्र शामिल होंगे। रूस फरवरी 2022 से यूक्रेन के साथ युद्ध कर रहा है। युद्ध जिसके कुछ हफ्तों में खत्म होने की उम्मीद थी, अभी भी उग्र है और जल्द ही खत्म होता नहीं दिख रहा है। अमरीका और नाटो देशों द्वारा यूक्रेन को हथियारों और गोला-बारूद की निरंतर आपूर्ति की गई। ईरान द्वारा रूस को युद्ध उपकरण एक पूरक समर्थन है और चीन ने गुप्त रूप से युद्ध जारी रखा है। इसके पीछे रूस और यूक्रेन का समर्थन करने वाले उपरोक्त सभी देशों के आर्थिक हित हैं। इस लम्बे युद्ध के 21 महीने बाद एक और युद्ध मध्य पूर्व में फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास और इसराईल के बीच लड़ा जा रहा है। प्रमुख देशों ने इसराईल या हमास-फिलिस्तीन के लिए समर्थन की घोषणा करने में कोई समय नहीं गंवाया। इसराईल पर हमास के हमले के पीछे बड़ा कारण चीन, ईरान और रूस द्वारा हमास को मौन और गुप्त सैन्य समर्थन था जिनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक आर्थिक हित इस तरह की कार्रवाई से पूरे हो रहे थे। चीन के लिए इसराईल की भागीदारी हाल ही में तैयार किए गए भारत-ओमान-यू.ए.ई.-सऊदी अरब-जॉर्डन- इसराईल-यूरोप आर्थिक गलियारा परियोजना को दुविधा में डाल देगी और उसकी लड़खड़ाती बी.आर.आई. परियोजना को फिर से शुरू कर देगी। इसलिए हमास को इसराईल पर सीधे हमले के लिए उकसाने में चीन को अधिक फायदा होगा। युद्ध का अर्थशास्त्र उतना सरल नहीं है जितना युद्ध की योजना बनाने या भड़काने वाले देशों द्वारा समझा जाता है। युद्ध अपने परिणाम में मृत्यु और विनाश का एक भयानक निशान छोड़ता है। यह इस खेल में शामिल सभी कलाकारों को नुकसान पहुंचाता है। इससे क्षेत्रीय आधिपत्य के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले देशों द्वारा हथियार जमा करने की होड़ भी शुरू हो जाती है।

भूख की भ्रामक वैश्विक रैंकिंग को नजरअंदाज किया जाए

भारत ने छह वर्ष तक के बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम उनके उचित मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास की नींव रखता है। भारत कम वजन वाले बच्चों की तेजी से पहचान करने, उनमें बौनेपन और कमजोरी की पहचान करने, पोषण सेवा वितरण की अंतिम पहुंच तक निगरानी करने के लिए एक महत्वाकांक्षी पोषण प्रौद्योगिकी- पोषण ट्रैकर का भी लाभ उठा रहा है। भले ही भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है, लेकिन विरोधाभासी रूप से ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) ने भारत को 125 देशों में 111वें स्थान पर रखा है, यानी भारत को निचले 15 देशों में शुमार किया गया है। इसके अलावा, विश्व प्रसन्नता सूचकांक में भी भारत 136 देशों की सूची में 126वें स्थान पर है, फिर से निचले 15वें स्थान पर है। दिलचस्प बात यह है कि फलस्तीन 99वें स्थान पर है। एक पल के लिए ऐसी रैंकिंग को भूल जाएं और इसके बजाय भूख के पैमाने पर भारत की प्रगति को देखें। विश्व की ही गति से भारत में भी भुखमरी कम हो रही है। विश्व में जीएचआई स्कोर साल 2000 में 28 से घटकर 2023 में 18.3 हो गया है। इसकी तुलना में भारत ने भूख को साल 2000 में 38.4 से घटाकर साल 2023 में 28.7 कर दिया है। इस प्रकार, भारत और दुनिया, दोनों ने भूख में 9.7 अंकों की कमी की है। दिलचस्प है कि साल 2010 के बाद भारत ने दुनिया की तुलना में ज्यादा तेजी से भुखमरी कम की है। इसके अलावा, अगर जीएचआई स्कोर को पोषण ट्रैकर के आधार पर मापा जाए, तो पांच साल से कम उम्र की श्रेणी में 'स्टंटिंग' और पांच साल से कम उम्र में 'वेस्टिंग' के मोर्चे पर भारत की रैंक कम से कम 20 स्थान तक ऊपर आ सकती है। यहां सवाल उठता है कि आखिर 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स' मापने के लिए भारत के इस आंकड़े का उपयोग क्यों नहीं किया गया है? 'स्टंटिंग' मतलब अपनी उम्र से कम दिखना, यानी बौनापन और 'वेस्टिंग' का मतलब होता है, बढ़ती उम्र के साथ कमजोर होते चले जाना या लंबाईके मुकाबले कम वजन, भारत इन दोनों ही मोर्चों पर उतना खराब नहीं है, जितना उसे बताया जाता है। आखिर जीएचआई को कैसे मापा जाता है? पहला पैमाना, जनसंख्या में अल्पपोषितों का अनुपात; दूसरा, पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर; तीसरा, पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों का समय के साथ कमजोर होते जाना और चौथा, पांच साल से कम उम्र में स्टंटिंग, यानी अपनी उम्र से कमतर दिखना। अल्पपोषण का अनुपात ही पूरी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र कारक है, जबकि शेष तीन कारक पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के आधार पर तय किए जाते हैं। यदि अकेले अल्पपोषण पर विचार किया जाए, तो 2023 जीएचआई स्कोर में कम से कम 41 देश भारत से पीछे हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर के मामले में भी 56 देश भारत से पीछे हैं। जीएचआई पद्धति भारत को पांच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग के मामले में फिसड्डी दिखाती है। क्या बौनापन या दुबलापन वास्तव में भूख या कुपोषण की वजह से ही होता है? क्या इसमें आनुवंशिकी भी प्रमुख भूमिका नहीं निभाती है? वास्तव में, 60 से 80 प्रतिशत लंबाई के लिए अकेले जीन जिम्मेदार हैं। उम्र के हिसाब से लंबाई की तुलना करना सेब की तुलना संतरे से करने के समान है। इसके बजाय, एक समूह के भीतर ही ऊंचाई या बौनेपन या दुबलेपन की तुलना होनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5052

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5051

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5052

संकेत: बाएं से दाएं

1. सन् 2000 में यह भारत का 28 वां राज्य बना (4)
4. तुल्यता, बराबरी, संतुलन (3)
7. बाधा, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
8. जिससे काम निकल जाए (5)
9. प्रथा, रिवाज, रस्म (3)
12. संगीत का एक अंग जिसमें कलात्मक ढंग से अंगों का संचालन करना, नृत्य (2)
14. जंगल, अरण्य, वन (3)
15. उतनी वस्तु जितनी एक बार में तली व सेंकी जाए (2)
16. अंतत, अवश्यमेव, अंत (3)
18. कुटिलता, धोखा या छल करने का भाव (4)
20. अंगहीन, अशक्त (3)
21. महाशय, श्रीमान, महोदय (3)
22. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)

ऊपर से नीचे

1. घटटा टोकना, पिटारा (2)
2. आंख आना, आंशाये थाम, आई हुई आंख (3)
3. पश्चिमी अफ्रीका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की राजधानी, उर्ध्ववायु (3)
4. यथार्थता, ठीक-ठीक (4)
5. मुझे (मराठी) (2)
6. जो रिश्ते में पिता के बड़े भाई हों (2)
10. स्तूप के आकार का (4)
11. इस वृक्ष के छोटे फलों से मदिरा का निर्माण होता है (3)
12. सिख धर्मावलंबी, खालसा (5)
13. अवाम, पब्लिक (3)
15. हलवा दट, पर्वत ढाल (2)
17. क्रीडाकक्ष, इस फिल्म में संजीव कुमार ने एक पागल की यादगार भूमिका की थी (1970) (3)
19. पैर, पांव, डग, कदम (2)

वर्ग पहेली 5051 का हल

घो	ले	ड		अ	जो	ला	
ता	ड	का		त	ल	वा	र
	क	र	ता			रि	त
ता	र		स	म	दा	न	
औ	जा		ही	न	ता		वा
र		पा		मा	र	द्वा	ज
त	ला	क		य		प	ल
	म		जा	न	व	र	

पाकिस्तान वर्ल्ड कप से बाहर

आखिरी मैच में इंग्लैंड ने 93 रन से हराया; विली ने 3 विकेट लिए

कोलकाता, 11 नवम्बर। पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड कप 2023 से बाहर हो गई है। टीम को इंग्लैंड ने आखिरी लीग मुकाबले में 93 रन से हरा दिया। कोलकाता में शनिवार को इंग्लैंड ने 337 रन बनाए। पाकिस्तान 43.3 ओवर में 244 रन पर ही ऑलआउट हो गया। सलमान अली आगा (51 रन) ने अर्धशतक जमाया। वहीं इंग्लैंड से डेविड विली ने 3 विकेट लिए, जबकि आदिल रशीद, मोइन अली और गस एटकिंसन को 2-2 विकेट मिले।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने 59, जो रूट ने 60 और बेन स्टोक्स ने 84 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। कप्तान जोस बटलर ने 27 और हैरी ब्रूक ने 30 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन शाह अफरीदी को 2 विकेट मिले। इफ्तिखार अहमद के हिस्से भी एक सफलता आई।

नतीजे से पहले ही टॉप-4 की रेस से बाहर हो गया था पाकिस्तान- पाकिस्तान की टीम इस हार से पहले ही सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी थी। टीम को इंग्लैंड ने 338 रन का टारगेट दिया, पाकिस्तान को नॉकआउट में पहुंचने के लिए टारगेट 38 बॉल में चेज करना था, लेकिन टीम 7 ओवर में जीत दर्ज नहीं कर सकी। इसीलिए मैच का नतीजा आने से पहले ही पाकिस्तान टीम नॉकआउट से बाहर हो गई।

एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन देने वाले गेंदबाज बने रऊफ- पाकिस्तान के हारिस रऊफ ने वर्ल्ड कप 2023 के 9 मैचों में 16 विकेट लिए। लेकिन इन विकेट के लिए उन्होंने 533 रन दे दिए, जो एक वर्ल्ड कप में किसी भी गेंदबाज से सबसे ज्यादा महंगी बॉलिंग रही। रऊफ ने 6.74 के बेहद खराब इकोनॉमी रेट से रन दिए। उन्होंने इंग्लैंड केआदिल रशीद का रिकॉर्डतोड़ा, जिन्होंने 2019 वर्ल्ड कप के 11 मैचों में 5.71 के इकोनॉमी रेट से 526 रन दिए थे।

डेथ ओवर में हारिस-वसीम की फिफ्टी पार्टनरशिप- मिडिल ओवर के आखिर में नौवां विकेट गंवाने के बाद मोहम्मद वसीम और हारिस रऊफ ने 10वें विकेट के लिए 35 बॉल पर 53 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को 44वें ओवर में क्रिस वोक्स ने तोड़ा। यहां हारिस रऊफ 35 रन बनाकर आउट हुए। आखिरी के 3.3 ओवर में पाकिस्तान ने एक विकेट खेलकर 35 रन बनाए।

मिडिल ओवर में बिखरी पाकिस्तानी टीम, 166 बनाने में 7 विकेट गंवाए- 11वें से 40 ओवर के बीच में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बिखर गई। टीम ने बीच के 30 ओवर में 166 रन बनाने में 7 विकेट गंवा दिए। 40 ओवर के बाद टीम का स्कोर 209/9 रहा।

25वें ओवर में डेविड मलान ने सलमान अली आगा को रनआउट करने का मौका गंवाया, तब वे 5 रन बनाकर खेल रहे थे। बाद में सलमान ने 51 रन की पारी खेली। बीच में कप्तान बाबर आजम ने 38, मोहम्मद रिजवान ने 36, सऊद शकील ने 29 रन की पारियां खेलीं, लेकिन इंग्लिश गेंदबाजों ने इन पारियों को बड़ा नहीं होने दिया। डेविड विली ने 37वें ओवर में सलमान आगा को आउट करके अपने आखिरी मैच में 100वां वनडे विकेट लिया। 38वें ओवर में शाहीन के आउट होने के बाद मोहम्मद वसीम और हारिस रऊफ ने पारी को आगे बढ़ाया।

पावरप्ले में बेरंग दिखी पाकिस्तानी टीम, ओपनर्स 10 रन पर आउट- 338 रन का टारगेट चेज करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत फीकी रही। टीम ने 10 रन पर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए। अब्दुल्लाह शफीक जीरो और फखर जमान एक रन बनाकर आउट हुए। दोनों को डेविड विली ने पवेलियन लौटाया। टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश करने के लिए 40 बॉल पर 338 रन का टारगेट चेज करना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शुरुआती 10 ओवर में पाकिस्तानी टीम ने दो विकेट पर 43 रन बनाए।

इंग्लैंड ने दिया 338 रन का टारगेट, बेयस्टो, रूट और स्टोक्स के अर्धशतक- कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने 59, जो रूट ने 60 और बेन स्टोक्स ने 84 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। कप्तान जोस बटलर ने 27 और हैरी ब्रूक ने 30 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद वसीम जूनियर को 2-2 विकेट मिले। इफ्तिखार अहमद को एक विकेट मिला।

डिफेंडिंग चैंपियन ने डेथ ओवर में गंवाए 7 विकेट- 41वें ओवर में बेन स्टोक्स के आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई। टीम ने आखिरी के 10 ओवर में 97 रन बनाने में 7 विकेट गंवा दिए। जो रूट 60 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान जोस बटलर ने 27 और हैरी ब्रूक ने 30 रन का योगदान दिया। डेथ ओवर में हारिस रऊफ, शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद वसीम जूनियर को 2-2 विकेट मिले।

मिडिल ओवर में स्टोक्स-रूट की शतकीय साझेदारी, दोनों की फिफ्टी- मिडिल ओवर्स में पाकिस्तानी गेंदबाज जो रूट और बेन स्टोक्स से पार नहीं पा सके। इन दोनों के बीच 132 रन की शतकीय साझेदारी हुई। 11वें से 40 ओवर के बीच इंग्लिश बैटर्स ने 2 विकेट गंवाकर 168 रन बनाए। स्टोक्स 84 और रूट 60 रन बनाकर आउट हुए। रूट ने वर्ल्ड कप के मौजूदा सीजन में तीसरी फिफ्टी जमाई। वे वर्ल्ड कप में एक हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं। रूट ऐसा करने वाले पहले इंग्लिश बैटर बने, वहीं स्टोक्स मौजूदा वर्ल्ड कप में दूसरी फिफ्टी बनाकर आउट हुए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 132 रन की पार्टनरशिप हुई। 14वें ओवर में डेविड मलान और 19वें ओवर में जॉनी बेयरस्टो आउट हुए। मिडिल ओवर्स में हारिस रऊफ और इफ्तिखार अहमद को विकेट मिले।

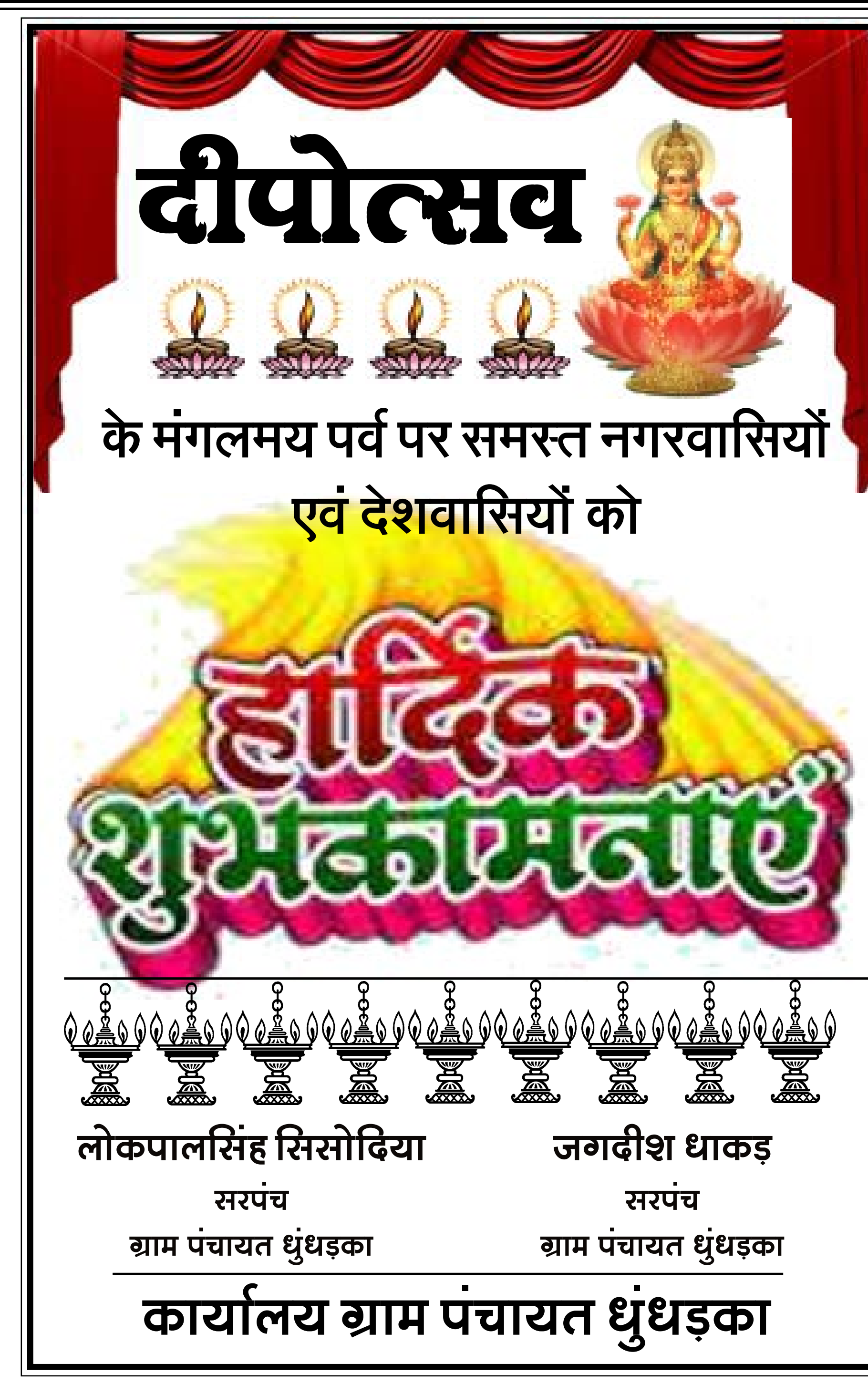

सामान्य प्रेक्षक, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्वाचन कंट्रोल रूम एवं मतदान केंद्र का किया निरीक्षण

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर एवं मल्हारगढ़ के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री ऋग्वेद मिलिंद ठाकुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया ने डाइट में स्थित निर्वाचन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेब कास्टिंग एवं कम्यूनिकेशन एवं मतदान केंद्र का निरीक्षण किया।

कम्युनिकेशन प्लान एवं वेबकास्टिंग से संबंधित जानकारी ली गई। जिले की चारों विधानसभा में कितने मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और इन कैमरे की निगरानी के लिए कितने दल गठित किए गए हैं इसके संबंध में जानकारी ली। सीसीटीवी लगे मतदान केंद्रों की आरओ लेवल पर भी निगरानी होगी। साथी ही उन्होंने डाइट में स्थित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नीमच में उर्वरक वितरण केंद्रों का किया निरीक्षण

नीमच, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने शनिवार को नीमच में नगद में उर्वरक वितरण केंद्रों का निरीक्षण कर उर्वरक यूरिया वितरण की व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर श्री जैन ने ग्वालटोली नगद उर्वरक विक्रय केंद्र, मण्डी परिसर नीमच एवं जेतपुरा में उर्वरक वितरण केंद्र का निरीक्षण कर यूरिया की उपलब्धता का जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में उर्वरक की कोई दिक्कत नहीं है। सभी सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। किसी भी सोसायटी में 10 मैट्रीक टन से कम स्टाक ना रहे। उर्वरक का स्टाक खत्म होने के पूर्व ही सोसायटी में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री जैन ने नीमच मण्डी प्रांगण नीमच, जेतपुरा में उर्वरक वितरण केंद्र पर उपलब्ध यूनिया के स्टाक का

अवलोकन किया और अब तक किसानों को वितरित किए गए यूरिया की मात्रा की जानकारी ली। निरीक्षण दौरान मण्डी प्रांगण जावद एवं जेतपुरा के उर्वरक वितरण केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया व अन्य उर्वरक का स्टाक पाया गया तथा किसानों को उर्वरक वितरण करना भी पाया गया। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा कर, उर्वरक की कीमत प्राप्तो की गई यूरिया के बेग की संख्या, बोया गया रकबा आदि की जानकारी भी ली। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे, तहसीलदार श्री संजय मालवीय, उप संचालक कृषि श्री भगवानसिह अर्गल व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिले के सभी मतदाता शत-प्रतिशत मतदान कर, लोकतंत्र की मजबूती का दीप जलाएं

नीमच, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टरर श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी ने दीपावली पर जिले के नागरिकों को हार्दिक बधाई दी हैं। कलेक्ट्र एवं एस.पी.ने अपने बधाई संदेश में कहा, कि रौशनी का यह त्यौलहार जिले के सभी नागरिकों के लिए मंगलमय हो। कलेक्टर एवं एस.पी.ने दीपोत्स व पर्व की जिलेवासियों, पत्रकारगणों सभी अधिकारी एंव कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए, जिलेवासियों का आव्हान किया है, कि वे 17 नवम्बर 2023 को मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र पहुँचकर, अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें, और जिले में शत-प्रतिशत मतदान कर, लोकतंत्र की मजबूती में सहभागी बनने का दीप जलाएं।

कलाकारों ने एक ही रात में बनाई लघु फिल्म अजनबी

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय कलाकारों ने मिलकर स्थानीय संशाधनों से एक ही रात में एक लघु फिल्म बनाईहैजिसकानामहै अजनबी ।यह एक सस्पेंस फिल्म है जिसमें बड़ी कुशलता के साथ सस्पेंस का फिल्मांकन किया गया है। इसमें बताया गया है कि पागलखाने से भागकर एक मरीज ने कैसे पूरे शहर में सनसनी मचा दी। इस फिल्म का सस्पेंस क्या है यह जानने के लिए तो देखना पड़ेगी फिल्म अजनबी जो दिवाली केअवसर पर श्री नंदकिशोर राठौर के मुख्य आतिथ्य में रिलीज की गई है तथा यूट्यूब के संजय भारती के चैनल संजय ड्रीम प्रोड्क्शन अथवा नरेन्द्र भावसार के चैनल दादा की धमाल कमाल की धमाल पर आप इस फिल्म का आनंद उठा सकते है। उक्त जानकारी देते हुए फिल्म के डायरेक्टर संजय भारती ने बताया कि इस फिल्म में स्थानीय कलाकारों में संजय भारती, नरेंद्र भावसार, फैजान अली, अंजलि गंगवानी, नंदा भैरवानी, ओमप्रकाश कुमावत, रोहित राठौर, तथा तेजकरण चौहान ने अभिनय किया है। फिल्म को बंटी लुइस द्वारा एडिट किया गया है तथा फिल्मांकन रोहित राठौर द्वारा किया गया है। फिल्म निर्माण में राजेंद्र भावसार तथा प्रीति कुमावत की विशेष भूमिका रही है। इस फिल्म कि यह विशेषता है कि इसे स्थानीय कलाकारों ने स्थानीय संसाधनों द्वारा बहुत ही कम समय में तैयार किया है।

शिवराज का फीनिक्स अवतार...

पेज 1 से जारी

यह नहीं कि एक करोड़ 31 लाख महिलाओं (जो कि वोटर भी हैं) के खाते में हर महीने पहले एक-एक हजार और अब 1250-1250 रुपए डाले जा रहे है, बल्कि बात यह भी है कि इन हितग्राहियों को शिवराज पुख्ता तौर पर आश्वस्त भी कर चुके हैं कि भविष्य में यह राशि तीन हजार रुपए तक कर दी जाएगी। अब यदि इन महिलाओं में से साठ फीसदी भी भाजपा के पक्ष में मतदान करती हैं तो लगभग अस्सी लाख मतों के जरिए भाजपा के लिए बहुत सकारात्मक स्थिति बनाना तय दिखता है। फिर एक फैक्टर से कोई भी इंकार नहीं कर सकता। आप राज्य के दस लोगों से इस योजना के बारे में बात कीजिए। औसतन नौ लोग इसके साथ भाजपा की बजाय शिवराज का जिक्र करेंगे। यानी चौहान इस सफल योजना के प्रतीक के रूप में भी स्थापित हैं। तो फिर कोई चाहे या न चाहे, लेकिन उसके लिए प्रदेश में भाजपा की संभावनाओं को मजबूती देने के लिए इस योजना का उल्लेख करना बहुत आवश्यक है और यह काम शिवराज का उल्लेख किए बगैर अधूरा ही रह जाएगा।

साथ ही इस चुनाव के अब तक निर्णायक रूप में आ चुके स्वरूप को भी देखिए। मोदी, शाह और नड्डा के बाद राज्य स्तर पर शिवराज ही वह चेहरा हैं, जो प्रदेश के कोने-कोने तक एक-समान प्रभाव रख रहे हैं। चाहे धनतेरस हो या फिर दीपावली, शिवराज उसी तरह सक्रिय नजर आएंगे, जैसे वे रोज दिख रहे हैं। शेष दिग्गजों की पहुंच और पहचान से कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन, प्रदेश में चौहान जैसा व्यापक असर किसी और के पास नजर नहीं आता है। सच तो यह है कि इस चुनाव में भाजपा ने अपने राज्य स्तरीय तमाम दिग्गजों को उतारकर शिवराज को बिना किसी खास प्रयास के यह साबित करने का अवसर दे दिया है कि भाजपा सहित खुद कांग्रेस के पास भी मध्यप्रदेश के कोने-कोने तक पहुंच रखने वाला कोई चेहरा नहीं है। इस तरह फीनिक्स पक्षी अपनी ही राख से फिर जीवित होने जैसी स्थिति में आ गया है। हां, यह भी सही है कि शिवराज ने राख होने (या किए जाने) की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही ऐसा कर दिखाया है। आगे का मामला चुनाव के नतीजों पर तय करेगा। सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा था, 'बढ़ जाता है मान, वीर का रण में बलि होने से, मूल्यवती होती सोने की भस्म यथा सोने से।' सियासी रूप से भस्म कर दिए जाने की तमाम कोशिशों के बीच शिवराज का क्या होगा, यह भविष्य बताएगा। लेकिन भविष्य तय करने वालों को सोने और उसकी भस्म के बीच का अंतर अभी से जान लेना चाहिए।

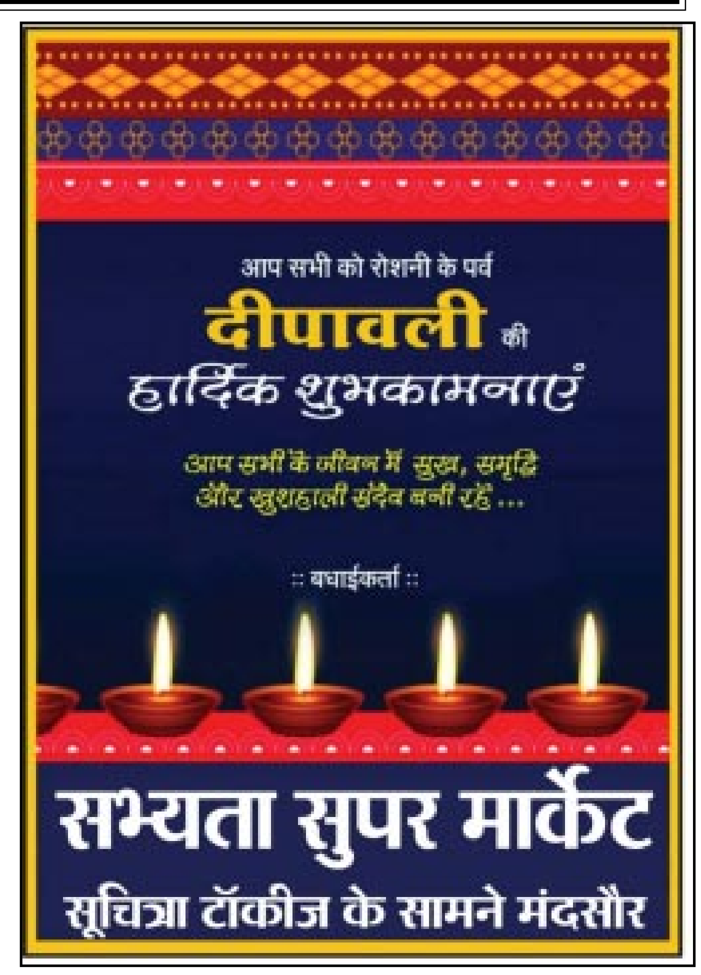

बेटियों के विवाह पर सहायता देंगे-जैन

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी श्री विपिन जैन ने मंदसौर नगर के नरसिंहपूरा मण्डलम मदारपुरा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 34 में जनसम्पर्क कर आमजन से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कांग्रेस प्रत्याशी श्री विपिन जैन का मदारपुरा क्षेत्र में निवास करने वाले कांग्रेसजनों के निवास स्थानों पर कांग्रेस प्रत्याशी विपिन जैन का विजयी तिलक लगाकर, पुष्पहार व श्रीफल से स्वागत किया। श्री विपीन जैन का अपने निवास पर स्वागत करने वाले सर्व श्री वसीम टेंट वाले, आबीद भाई मेव, मोहम्मद हुसैन रिसालदार, एहसान भाई पठान, आबिद भाई, कल्लु आपा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हनिफ शेख, युसुफ मंसुरी, इमरान मिनाक्षी बस वाले, मोहम्मद अली मदारी, मोहम्मद खलिल शैख, हाजि रूस्तम अली, मुन्ना हाजी साहब, उस्मानी अखाडा, ताहीर भाई आदि लोगों के यहां स्वागत किया गया। वही जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ताओं ने आमजन के बीच प्रदेश कांग्रेस के 11 वचन भी दोहराये एवं योजनाओं के फोल्डर का वितरण भी किया गया।

जनसम्पर्क के दौरान श्री जैन ने स्थानी महिलाओं से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर बेटियों के विवाह की नई योजना प्रारंभ करेंगे जिसमें 1 लाख 1 हजार रुपए की सहायता देंगे वहीं महिलाओं के स्टार्टअप के लिए 25 लाख तक के लोन 3 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराएंगे। हर महिला के खाते में प्रति माह 1500 रुपए नारी सम्मान योजना के तहत मिलेंगे। सभी परिवार को प्रति माह 500 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा। इंदिरा गृह ज्योति योजन के अंतर्गत 100 यूनिट माफ और 200 यूनिट हाफ दर पर देंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र सिंह तोमर, शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष सर्वश्री अंबालाल हिंगोरिया, सलीम खान, जिला कांग्रेस पदाधिकारी गण में सर्वश्री मोहम्मद खलील शेख, मोहम्मद हुसैन रिसालदार, सुदर्शन सिंह शक्तावत, सुरेश खाचरानिया, राजेश फरक्या, के.के. सिह भाटी, वहीद जैदी, साबिर इलेक्ट्रीशियन, जाहीर पठान, हाजिद रशीद खान, युसूफ अगवान, खुर्शीद आलम विजय सिंह सिसोदिया, डीगपाल सिंह भाटी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठके जिला अध्यक्ष यूनुस मेव, नगर अध्यक्ष मजहर खान, नगर पालिका मंदसौर प्रतिपक्ष की नेता रफत पयामी, शहर ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी गण में सर्वश्री जगदीश जटिया, परमानंद चैहान, अभिषेक जैन, इलियास कादरी, योगेंद्र गौड़, विपिन बंसल, यूनुस बालोत, रवि विनायका, शेख बशीरुद्दीन, गफार निलगर, गणपत राठौर, देवेंद्र खाबीया, महिला नेत्रियों बबीता सिंह तोमर, इष्टा भाचावत, प्रमिला नाहर, सोनाली जैन, मंडलम अध्यक्षगण में सर्वश्री पंकज जोशी रमेश ब्रिजवानी, ,सेक्टर अध्यक्षगण में सर्वश्री आबिद खान मेव, राजेश खींची, कचरमल जटिया, सादिक गोरी, दीपक जैन, दिनेश प्रजापत, राजू रैकवार, मजहर खान, मोहम्मद साजिद रिसालदार, साजिद मेव, अक्षय खाबीया, दिनेश यादव, संतोष यादव, शौएब शैख, ऋभ कोठारी, राजेन्द्र सेठिया, मनोज श्रीमाल, लियाकत अली शाह, शाकिर एहमद मसुरी, अशफाक खान, रमेश कुमावत, इरफान मेव, सिकदर मेव, जफर अली, राधेश्याम पाटीदार, राकेश पाटीदार, कन्हैयालाल भदानिया, नारायण कुमावत, इरफान खान, शंकर गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में नरसिंहपुर मंडलम अध्यक्ष शुभम कुमावत ने सभी का आभार माना।

भाजपा प्रत्याशी डंग ने कयामपुर मंडल के गावों में किया जनसंपर्क

सीतामऊ, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा सरकार किसान हितेषी सरकार है मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान खुद किसान है और उन्होंने किसानों के दर्द समझकर पिछले 18 वर्षों में किसानों के हितों की चिंता की है और किसान हितेषी अनेक निर्णय किये है।

उक्त बात सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी हरदीपसिंह डंग ने कही वे शनिवार को कयामपुर मंडल के जनसंपर्क दौरे के दौरान विभिन्न गांवों में किसानों से रूबरू हो रहे थे उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र को उल्लेखनीय बताते हुवे कहा की अब भाजपा सरकार बनते ही किसानों को गेंहू पर 600 रूपये क्विंटल का फायदा होगा गेहूं के समर्थन मूल्य 2700 रूपये प्रति क्विंटल और धान 3100 रूपये धान प्रति क्विंटल खरीदी होगी।

अब 14 तक वितरीत की जा सकेंगीं मतदाता पर्चियाँ

नीमच, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाता सूचना पर्ची के वितरण के लिये दो दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। अब 13 व 14 नवम्बर को भी मतदाता पर्चियाँ वितरित की जा सकेंगीं। पहले इसके लिये 12 नवम्बर अंतिम तिथि निर्धारित थी। विभिन्न जिलों द्वारा मतदाता सूचना पर्ची के वितरण के लिये समय बढ़ाने की मांग की गई थी। इस आधार पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा मतदाता पर्ची वितरण के लिये समय बढ़ाया गया है। मतदाता पर्चियाँ वितरित कर रहे सभी बीएलओ को भी आगाह किया है कि वे अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर संबंधित मतदाताओं को बढ़ी हुई अवधि के भीतर मतदाता पर्चियों का वितरण सुनिश्चित करें।

पुलिस प्रेक्षक मुख्तार मोहसीन का जिले में आगमन

नीमच, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत नीमच जिले के लिए नियुक्त पुलिस प्रेक्षक श्री मुख्तापर मोहसीन जिले में उपलब्धह रहकर, निर्वाचन प्रक्रिया का अवलोकन कर रहे है। निर्वाचन संबंधी शिकायतो, सुझावों के लिए पुलिस प्रेक्षक श्री मुख्तागर मोहसीन का मो.न.6261808466 है। उनके लाईजनिंग अधिकारी श्री शम्भुहसिह चौहान का मो.न.9425106997 है।

प्रदेश में 48 हजार 894 वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट से घर से किया मतदान

नीमच, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर से मतदान करने की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश में 9 नवंबर तक 48 हजार 894 वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान की सुविधा का लाभ लिया है। इसी तरह से निर्वाचन ड्यूटी में लगे 1 लाख 66 हजार 496 अधिकारियों-कर्मचारियों ने फैसिलिटेशन सेंटर, अत्यावश्यक ड्यूटी में शामिल 532 अधिकारियों-कर्मचारियों और 10 सेवा निर्वाचक मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट से मतदान किया है।

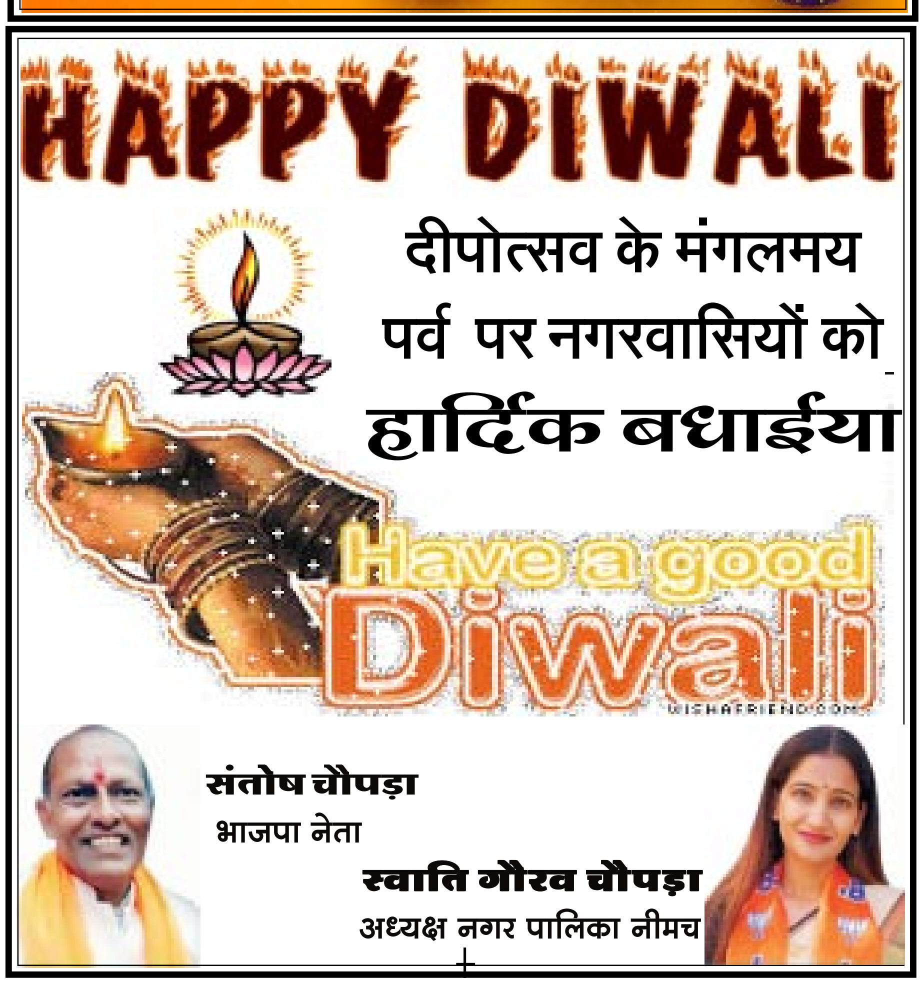

त्यौहार नए प्रत्याशियों के लिए परेशानी, अनुभवी तलाश लेंगे विकल्प

मंदसौर/उज्जैन, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान विधानसभा चुनाव ऐसे समय हो रहा है। जबकि, दशहरा, दिवाली जैसा बहुसंख्यको का त्यौहार गुजर रहा है। स्वाभाविक है कि चुनाव प्रचार के सीमित दिनों में एक सप्ताह पूरा प्रचार बंद सा रहेगा और उसका प्रभाव सभी दलों के प्रत्याशियों को प्रभावित कर भी रहा है। मतदान को एक सप्ताह ही बचा है। किन्तु, चुनाव प्रचार का चरम अभी तक नजर नहीं आया है। दुविधा समीक्षको को भी नजर आ रही है। मात्र जनसंपर्क से जनमत का रुझान व्यक्त करना बेमानी साबित हो सकता है। क्योंकि, किसी भी दल का प्रत्याशी जनसंपर्क में अपने समर्थकों के साथ गली- मोहल्ले में जाता है। तब स्वाभाविक मानव स्वभाव के कारण किसी भी वर्ग, दल का समर्थक निवासी प्रत्याशी का अभिवादन सत्कार करता ही है। ऐसे दृश्यों से यह स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है कि फलां क्षेत्र में फला दल का प्रत्याशी अधिक मत पा लेगा।

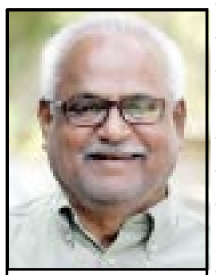

चन्द्रमोहन भगत

यह भी कि किसी मोहल्ले में किसी एक परिवार द्वारा किसी भी दल के प्रत्याशी के आगमन पर विरोध या दुर्भावना सार्वजनिक प्रकट करने से यह भी नहीं कहा जा सकता है कि पूरे क्षेत्र से प्रत्याशी को एक भी वोट नहीं मिलेगा! स्पष्ट तो यह है कि चुनाव का समय वर्तमान चुनाव पर अपना असर प्रभाव के साथ दिख रहा है। पूरे संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस के दो नए प्रत्याशी मैदान में है। मंदसौर से विपिन जैन और जावरा से वीरेंद्र सोलंकी, जबकि भाजपा में सभी लंबे अनुभव वाले प्रत्याशी है। दिवाली त्योहार के साथ हो रहे इस चुनाव में अनुभवी प्रत्याशी अनेक बार चुनाव लड़ने के कारण त्यौहार के कारण नुकसान हुए समय के घाटे को युक्ति के साथ पूरा कर भी लेंगे। इसके उलट नए प्रत्याशियों का पहला अवसर होने के कारण किसी अनुभवी साथी द्वारा भरपाई कराई जाएगी तो लाभ मिलेगा। वरना ऐसा नुकसान साफ होता नजर आ रहा है।

मंदसौर में विपिन जैन के मुकाबले यशपाल सिसोदिया गलियों, मोहल्लों और गांव तक को नगर पालिका अध्यक्ष काल से भली भांति जानते समझते हैं। इसीलिए समय के घाटे की पूर्ति आसानी से कर लेंगे। जबकि, ऐसा ही करना विपिन जैन के लिए नया काम और अनुभव की कमी के कारण शत प्रतिशत पूर्ति करने में संशय स्पष्ट है। रही बात समीक्षको, जानकारो की तो आधा समय निकल जाने तक भी निष्पक्ष एंगल से यह नहीं कह पा रहे हैं कि कौन दौड़ में आगे है। समीकरण भी इस प्रकार के बने हुए हैं कि व्हाट्स एप के विशेषज्ञों की अपनी राय दूसरो से मेल नहीं खा रही है। फिर इनकी पुष्टी करने का जोखिम कौन उठाएंगा! इससे बेहतर तो प्रत्याशियों, उनके समर्थकों के बयान स्पष्ट कर रहे हैं। किन्तु, इन्हें दलीय पक्षकार होने के कारण सर्वमान्य मानता नहीं मिल पाती है। ऐसे में स्थानीय लोगों की माने तो दिवाली बाद जब जनमत मुक्त होकर चुनावी कुंभ में हिस्सा लेगा, तब का वातावरण ये अनुमान लगाने लायक होगा कि किस क्षेत्र में कौन से दल का प्रत्याशी भारी पड़ रहा है। क्योंकि, इस त्यौहारी संकट का असर सभी दल के प्रत्याशियों को बराबर एक जैसा नुकसान पहुंचा रहा है।

रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 कें अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। महिलाएं रंगोली बनाकर संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में मतदान हेतु जागरूक हो रहे हैं।

दिसंबर एंड तक सिर्फ 15 दिन ही बजेगी शहनाई, 16 जनवरी से मचेगी शादियों की धूम

मंदसौर, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देव उठनी एकादशी 23 नवंबर से विवाह मुहूर्त शुरू होंगे। साल के अंतिम दो माह में केवल 15 दिन ही मुहूर्त रहेंगे। आखिरी मुहूर्त 15 दिसंबर को रहेगा। इसके बाद खरमास लगने के कारण एक माह विवाह की शहनाई नहीं बजेंगी। विवाह मुहूर्त फिर सीधे मकर संक्रांति के बाद 16 जनवरी से शुरू होंगे। इस कारण इस साल के अंतिम दो माह के इन 15 दिन के मुहूर्त में शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में करीब डेढ़ हजार से अधिक जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधेंगे।

सीमित मुहूर्त होने के कारण शहर में स्थिति यह है कि इस माह नवंबर के मुहूर्त के लिए ज्यादातर सभी बड़े मैरिज गार्डन बुक हो चुके हैं, जबकि दिसंबर के मुहूर्त तक के लिए 60 प्रतिशत से अधिक बुकिंग हो चुकी है। शहर में छोटे बड़े शादी हॉल व मैरिज गार्डन की कुल संख्या 15 के करीब हैं। इनमें समाजों की धर्मशालाएं ज्यादातर बुक हो चुकी हैं। देवउठनी एकादशी से मुहूर्त शुरू होंगे, खरीददारी के लिए भी समय अच्छा है। ज्योतिषिया के अनुसार नवंबर में विवाह मुहूर्त 23, 24, 27, 28 29 तारीख के है। जबकि, दिसंबर में विवाह मुहूर्त 3 से 7, 9, 10, 13 से 15 तारीख तक है। कुल मुहूर्त नवंबर में 5 और दिसंबर में 10 दिन। पंडितों के अनुसार 23 नवंबर को देवउठनी एकादशी अपने आप में शुभ तिथि है। इसमें मुहूर्त की जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इसी दिन शालिग्राम तुलसी विवाह की भी परंपरा है। इसलिए, इस दिन बगैर मुहूर्त देखे विवाह कर सकते हैं। इसके बाद इस माह में अंतिम विवाह मुहूर्त 29 नवंबर को रहेगा। इस माह में कुल पांच दिन मुहूर्त रहेंगे। दिसंबर में 10 दिन विवाह मुहूर्त रहेंगे। अंतिम मुहूर्त 15 दिसंबर को रहेगा। इसके बाद 16 जनवरी से पुनः विवाह मुहूर्त प्रारंभ होंगे।

रेप को सामुहिक दुष्कर्म में बदलना पुलिस को पड़ा भारी

थाना प्रभारी और आरक्षक पर गिरी गाज, पुलिस कप्तान ने दोनों को किया निलंबित

रतलाम, 11 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के पुलिस कप्तान श्री राहुल कुमार लोढ़ा ने 10 नवंबर शुक्रवार को फर्जी गैंगरेप के मामले में ताल थाना प्रभारी करणसिंह पाल, आरक्षक ओम प्रकाश गुर्जर को निलंबित कर दिया है। बताया गया है कि 28 अक्टूबर को ताल थाने में गैंगरेप का मामला दर्ज हुआ था। मामले में ताल पुलिस ने तीन व्यक्तियों को गैंगरेप का आरोपी बनाया था। पुलिस ने दो लोगों को जबरन आरोपी बना दिया। इसकी शिकायत पुलिस कप्तान श्री राहुल कुमार लोढा को हुई। जांच में आरोपी पक्ष ने ताल थाना प्रभारी व आरक्षक पर 1 लाख 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगने की बात कही। मामले में जांच करवाई गई। रेप के दो आरोपी सीसीटीवी फुटेज में अन्य स्थान पर दिखे। जिसकी पुलिस ने उसकी भी गंभीरता से जांच की। जांच में सहयोग करने के नाम पर आरक्षक

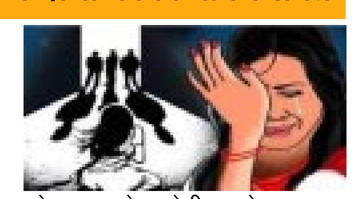

ओमप्रकाश ने आरोपी पक्ष से 30 हजार रुपए रिश्वत के नाम पर ले भी लिए थे। मामले में पुलिस कप्तान श्री लोढ़ा ने थाना प्रभारी करणसिंह पाल और आरक्षक ओम गुर्जर को निलंबित कर दिया है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in